मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 227
बुधवार, 05 मार्च 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला, किसी को मियां-तियां या पाकिस्तानी कहना गलत, लेकिन अपराध नहीं

नई दिल्ली, 04 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि मियां-तियां या पाकिस्तानी जैसे शब्दों का इस्तेमाल गलत हो सकता है। लेकिन यह कोई आपराधिक अपराध नहीं है। यह फैसला ऐसी टिप्पणी करने के आरोपी 80 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामले को रद्द करते हुए आया। न्यायाधीश बीवी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता पर मुखबिर को 'मियां-तियां' और 'पाकिस्तानी' कहकर उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है। निस्संदेह, दिए गए बयान खराब स्वाद वाले हैं। हालाँकि, यह मुखबिर की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के समान नहीं है।

यह मामला उर्दू अनुवादक और कार्यवाहक क्लर्क (सूचना का अधिकार) मोहम्मद शमीम उद्दीन की शिकायत के आधार पर झारखंड के बोकारो में दर्ज की गई पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) से उत्पन्न हुआ है। शिकायत के अनुसार, 80 वर्षीय व्यक्ति हरि नंदन सिंह ने कथित तौर पर सांप्रदायिक अपशब्दों का उपयोग कर-के शिकायतकर्ता का अपमान किया और उसके खिलाफ आपराधिक बल का प्रयोग किया, जबकि वह अपने आधिकारिक कर्तव्यों का पालन कर रहा था। इस घटना के कारण आईपीसी की धारा 298 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना), 504 (शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान करना), 506 (आपराधिक धमकी), 353 (लोक सेवक को ड्यूटी से रोकने के लिए हमला करना) और 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच पूरी होने पर, पुलिस ने आरोप पत्र दायर किया और मजिस्ट्रेट ने जुलाई 2021 में एक आदेश द्वारा अपराधों का संज्ञान लिया और आरोपियों को तलब किया। इसके बाद सिंह ने आरोपमुक्त करने के लिए एक आवेदन दायर किया, जिसे मजिस्ट्रेट ने 24 मार्च, 2022 को आंशिक रूप से अनुमति दे दी, और उन्हें धारा 323 के तहत अपराधों से मुक्त कर दिया, लेकिन धारा 298, 353 और 504 के तहत आरोप बरकरार रखे।

बेनतीजा रही पंजाब सरकार और किसानों के बीच की बैठक

पंजाब, 04 मार्च। प्रमुख कृषि मुद्दों पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और किसानों के प्रतिनिधियों के बीच बैठक बिना किसी समाधान के समाप्त हो गई, जिससे जारी गतिरोध और बढ़ गया। बैठक में पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां और मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल भी मौजूद थे। इस बीच, किसान नेता जोगिंदर सिंह उग्राहन ने पुष्टि की कि अनिर्णायक बैठक के बावजूद, 5 मार्च को चंडीगढ़ में नियोजित विरोध कार्यक्रम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ेगा।

वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आज पंजाब भवन में हुई बैठक में मैंने किसान संगठनों के सभी सम्मानित नेताओं से अपील की कि सड़कों और ट्रेनों को रोकना या पंजाब को बंद करना किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं है। इन सबसे आम लोगों को असुविधा होती है। इसका समाज के अन्य वर्गों के काम और व्यवसायों पर भी बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है, आइए हम इस बारे में भी सोचें। कोई समाधान नजर नहीं आने के कारण, तनाव बरकरार है क्योंकि किसान अपनी मांगों पर लगातार जोर दे रहे हैं, जिससे पंजाब सरकार के साथ और टकराव की स्थिति तैयार हो गई है।

दूसरी ओर किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने अपने बयान में कहा कि सीएम मान गुस्से में बैठक छोड़कर चले गए, किसानों ने फिर से चंडीगढ़ में आंदोलन करने की घोषणा की। कोई निष्कर्ष नहीं निकला।

किसानों द्वारा विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा के बाद मान गुस्से में बैठक छोड़कर चले गए। सीएम ने चेतावनी दी कि अगर किसानों ने 5 मार्च को अपना नियोजित विरोध वापस ले लिया, तो उनकी मांगों पर विचार किया जाएगा। अन्यथा उनकी पूर्व स्वीकृत मांगें भी निरस्त कर दी जाएंगी।

आप ने रेखा गुप्ता सरकार पर महिलाओं को 2500 रुपये देने के लिए बनाया दबाव

नई दिल्ली, 04 मार्च। आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर महिलाओं को 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के अपने चुनाव पूर्व वादे को पूरा करने के लिए दबाव बढ़ा दिया। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने भाजपा सरकार से स्पष्टता की मांग करते हुए मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और चेतावनी दी कि 8 मार्च की समय सीमा से पहले केवल चार दिन बचे हैं। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि मोदी जी ने दिल्ली की महिलाओं को 8 मार्च को 2500 रुपये की पहली किस्त देने की गारंटी दी थी। अब इसमें केवल

चार दिन बाकी हैं। महिलाएं इंतजार कर रही हैं कि उनके 2500 रुपये कब आयेंगे? उन्होंने पूछा कि क्या मोदी जी की ये गारंटी पूरी होगी या एक बार फिर जुमला साबित होगी? कोंडली से आप विधायक कुलदीप कुमार ने भी भाजपा पर कटाक्ष करते हुए दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से वादा किए गए वित्तीय सहायता की स्थिति स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ₹पीएम मोदी ने कहा था कि 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर महिलाओं के खाते में 2,500 रुपये भेजे जाएंगे। अब सीएम रेखा गुप्ता को बताना चाहिए कि क्या यह गारंटी 15 लाख रुपये के वादे की तरह 'जुमला' साबित होने वाली है। आप की लगातार आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा था कि भाजपा अपना वादा जरूर पूरा करेगी। उन्होंने दिल्ली विधानसभा में कहा, आप को हमसे यह सवाल नहीं करना चाहिए कि हम महिलाओं को 2,500 रुपये कब देंगे।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 भारत ने ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में रौंदकर फाइनल में बनाई जगह

दुबई, 04 मार्च। भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपने जीत के कारवां को जारी रखते हुए सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को 4 विकेट से हराया है। इसके साथ ही भारत ने लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। टीम इंडिया की जीत के स्टार मोहम्मद शमी और विराट कोहली रहे, जिन्होंने अपने दमदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया को रौंदने में अहम भूमिका निभाई। शमी ने जहां 3 विकेट चटकाए वहीं ऑस्ट्रेलिया को 264 रन पर रोका। वहीं कोहली ने 84 रन के दमदार पारी खेली और भारतीय टीम के लिए सफलतापूर्वक रन चेज किया।

दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत ने 14 साल बाद किसी आईसीसी टूनार्मेंट के नॉकआउट मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराया है। वर्ल्ड कप 2011 के क्वार्टर फाइनल में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी और पिर खिताब भी जीता था। इस बार टीम इंडिया ने खिताब के और करीब आकर ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में रौंदकर बाहर का रास्ता दिखाया है। वहीं भारत ने तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाकर हैट्रिक भी कर ली है।

वहीं 265 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को 30 के स्कोर पर पहला झटका लगा। गिल ने 11 गेंद में 8 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 29 गेंद में 28 रन बनाकर पवेलियन लौट गए हैं। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। श्रेयस अय्यर 62 गेंद में 45 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल 30 गेंद में 27 रन बनाकर आउट हुए। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली 98 गेंद में 84 रन बनाकर पवेलियन लौटे। हार्दिक पंड्या 24 गेंद में 28 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल 34 गेंद में 42 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई।

ऑस्ट्रेलियाई पारी की बात करें तो टीम की शुरूआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज कूपर कोनोली बिना खाता खोले आउट हुए। उन्हें मोहम्मद शमी ने अपना शिकार बनाया। ट्रेविस हेड ने धीमी शुरूआत के बाद ताबड़तोड़ बड़े शॉट खेले जैसे ही वो भारत के लिए खतरनाक साबित हो रहे थे तो वरुण चक्रवर्ती ने उन्हें शुभमन गिल के हाथों कैच आउट करा दिया। इस दौरान हेड ने 33 गेंद में 39 रन बनाए। मार्नस लाबुशेन 36 गेंद में 29 रन बनाकर आउट हुए। लाबुशेन ने स्टीव स्मिथ के साथ तीसरे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी की।

जॉर्ज इंग्लिस 12 गेंद में 11 गेंद रन बनाकर आउट हुए। वहीं स्टीव स्मिथ 96 गेंदों में 73 रन बनाकर मोहम्मद शमी के शिकार बने। ग्लेन मैक्सवेल महज 7 रन बनाकर अक्षर पटेल के शिकार बने। वहीं बेन ड्वार्शियस भी 19 रन बनाकर वरुण चक्रवर्ती के शिकार बने। एलेक्स कैरी ने 57 गेंदों में 61 रन बनाए। नाथम एलिस ने 10 रन बनाए। वहीं हार्दिक पंड्या ने कंगारू टीम का आखिरी विकेट एडम जैम्पा के रूप में गिराया।

धनंजय मुंडे ने महाराष्ट्र के मंत्री पद से दिया इस्तीफा, सरपंच हत्याकांड में जुड़ा था नाम

मुंबई, 04 मार्च। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री धनंजय मुंडे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कैबिनेट मंत्री धनंजय मुंडे को इस्तीफा देने के लिए कुछ समय पहले ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था। धनंजय मुंडे का इस्तीफा पीए प्रशांत जोशी ने मुख्यमंत्री को सौंपा है।

बता दें कि इसकी जानकारी खुद देवेंद्र फडणवीस ने भी दी है। उन्होंने बताया कि धनंजय मुंडे ने इस्तीफा अपना मुझे सौंपा है। उनका इस्तीफा स्वीकार किया गया है। अब राज्यपाल के पास आगे की कार्रवाई के लिए उनका

इस्तीफा भेजा जाएगा। गौरतलब है कि धनंजय मुंडे तब से चर्चा में आ गए हैं जबसे उनके करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड का नाम सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में जुड़ा है। मुंडे के करीबी वाल्मिक कराड को संतोष देशमुख की हत्या के मामले में आरोपी बनाया गया है।

वहीं उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार की रात को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी। उन्होंने सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में अपराध अन्वेषण विभाग की ओर से आरोपपत्र दायर करने पर चर्चा की थी। इस मामले में ही कराड को आरोपी बनाया गया है। बता दें कि धनंजय मुंडे बीड जिले के परली से एनसीपी के विधायक हैं। महाराष्ट्र सरकार में उनके पास खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय था। इस पद को संभालने से पहले वो बीड के संरक्षक मंत्री रह चुके है। एनसीपी प्रमुख अजित पवार पुणे के साथ बीड जिले के संरक्षक थे।

जानकारी के मुताबिक बीड के मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख को नौ दिसंबर 2024 को अगवा किया गया था। देशमुख ने एक ऊर्जा कंपनी को निशाना बनाकर की जा रही जबरन वसूली के प्रयास को रोकने की कोशिश की थी। इस कारण देशमुख को अगवा किया गया और बाद में उनकी हत्या की गई थी।

पंजाब सरकार सीमा पार से मादक पदार्थ की तस्करी पर रोक के लिए ड्रोन रोधी तकनीक की मदद लेगी

चंडीगढ़, 04 मार्च। कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब सरकार सीमा पार से मादक पदार्थों, हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी पर रोक लगाने के लिए ड्रोन रोधी तकनीक की मदद लेगी। मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ कार्रवाई की निगरानी के लिए मंत्रिमंडलीय उपसमिति का नेतृत्व कर रहे वित्त मंत्री चीमा और कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने मंगलवार को मोहाली में तीन कंपनियों के ड्रोन रोधी तकनीक से जुड़े प्रदर्शन को देखा।

अरोड़ा ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पाकिस्तान से मादक पदार्थ, हथियार और गोला-बारूद भेजे जा रहे हैं। इसलिए उन्होंने सीमा पार से होने वाली तस्करी पर रोक लगाने के लिए ड्रोन रोधी तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया। अरोड़ा ने कहा, सीमा पार से मादक पदार्थों, हथियारों तथा गोला-बारूद की तस्करी को रोकना भारत सरकार और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल के पास 50 किलोमीटर तक क्षेत्राधिकार है।

नशे के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध कारगर साबित हो

-ललित गर्ग

पंजाब में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स के धंधे ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बनाई है, जिसके दुष्परिणाम पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा करने का सरकार दावा खोखला साबित न होकर सकारात्मक एवं प्रभावी परिणाम लाये, यह अपेक्षित है। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान उग्र, आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत की भांति कोरा दिखावा न साबित हो, यह देखना जरूरी है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। जरूरत है मान सरकार का नशा एवं नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिखे। ताकि नशे के जाल में फंसे युवाओं एवं आमजन को बचाया जा सके।

ड्रग्स उपभोग के मामले में पंजाब की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बन गई है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। इसमें शराब आदि का डाटा शामिल नहीं है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में ह्यमादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षाह्न पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। पंजाब

के बॉर्डर एरिया के गांवों व कस्बों में ही ड्रग्स की मार देखने को मिलती थी। सरकार नशे को खत्म करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और देखने को मिलती है। युवाओं की रगों में नशे का जहर घोला जा रहा है। बड़े शहर नशे के हॉट-स्पॉट बनते जा रहे हैं। बठिंडा, पटियाला, होशियारपुर, अमृतसर और लुधियाना जैसे बड़े शहरों में हालात चिंताजनक हैं। इसका असर प्रदेश की मौजूदा पीढ़ी पर ही नहीं, बल्कि आने वाली पुश्तों पर भी पड़ने लगा है। इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार करने का कोई प्रभावी उपक्रम कर रहे हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं, पाकिस्तान के षडयंत्र हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए उसने पंजाब सरकार को फटकार भी समय-समय पर लगाई है। अगर कोई पडोसी देश चाहे तो नशे के आतंक से देश को खत्म कर सकता है। अगर बॉर्डर क्षेत्र सुरक्षित नहीं है तो कैसे सीमाओं की सुरक्षा होगी? नशा माफिया के आगे बेबस क्यों है पंजाब सरकार?ह्न सुप्रीम कोर्ट की चिन्ता पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए वाजिब है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में ह्यड्रग्स-फ्री इंडियाह्न अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। विशेषतः पंजाब के युवा नशे की अंधी गलियों में धंसते जा रहे हैं, वे अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। पंजाब में औसत हर रोज एक व्यक्ति की ड्रग्स की ओवरडोज के कारण मौत हो रही है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है।

पाकिस्तान नशे के आतंक से अपने मनसूंबों को पूरा कर रहा है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। ये ऐसे उत्तेजना लाने वाले पदार्थ हैं, जिनकी लत के प्रभाव में व्यक्ति अपराध तक कर बैठता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। पंजाब सरकार की ताजा सख्त कार्रवाई का संदेश नशा माफिया को जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार के लिये पडोसी देश को भी कड़ा संदेश जाना चाहिए। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

पंजाब पुलिस की नशे से जुड़े आतंकवदी तंत्र की जांच करने की सीमित क्षमता है, खासकर, इस समस्या का मुकाबला करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकीय एवं वैज्ञानिक उपकरणों की उसके पास कमी है। पंजाब में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि पंजाब ह्यनशीले पदार्थों की राजनीतिह्न के युग से गुजर रहा है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। प्रदेश की मौजूदा सरकार ने भी सत्ता संभालते ही दो साल के अंदर ड्रग्स का खात्मा करने का एलान किया था, लेकिन जो हालात आज से दो साल पहले थे, वह जस के तस बने हुए हैं। इससे प्रतीत होता है कि सरकार एवं ड्रग्स माफिया का चोली दामन का संबंध है। जिससे समय के साथ प्रदेश में ड्रग्स का चलन बढ़ा है। प्रदेश में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है। अकेले एसटीएफ ने पंजाब भर में अलग-अलग जगहों पर छापामारी कर 2 करोड़ 68 लाख 77 हजार 596 कैप्सूल व नशीली दवाइयां पकड़ी हैं। कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन ज्यादातर फरीदकोट, बठिंडा और पटियाला क्षेत्र में बढ़ा है।

पूर्व सरकारों ने जो दावे किए वे प्रभावहीन ही रहे हैं। वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने चार हफ्ते में नशे के कारोबार को खत्म करने का वादा किया था। इससे पहले बादल के नेतृत्व वाली अकाली सरकार की भी नशे के खिलाफ शुरू की गई लड़ाई सिरे नहीं चढ़ सकी। दरअसल, नशे के कारोबार से जुड़े बड़े माफिया के खिलाफ कारगर कार्रवाई न हो सकने के कारण ये अभियान प्रभावी नहीं हो पाते। आखिर क्या वजह है कि भारी पुलिस व्यवस्था के बावजूद नशीली दवाओं की बड़ी खेप पंजाब में आसानी से प्रवेश कर जाती है। जो व्यवस्थागत संरचनात्मक मुद्दों की खामियों की ओर इशारा करती है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये कमर कसे। वैसे नशे को समाप्त करने के महत्वाकांक्षी युद्ध में आप सरकार विजयी होती है तो यह उसकी बड़ी सफलता होगी।

फिल्म छावा की रिलीजिंग के बाद से देश भर में मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर विवाद!

अशोक भाटिया

बॉक्स ऑफिस की ब्लॉक बस्टर फिल्म छावा की रिलीजिंग के बाद से देश भर में मुगल बादशाह औरंगजेब का विरोध हो रहा है। इसी बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अबू आजमी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। औरंगजेब की तारीफों के पुल बांधकर अबू बुरी तरह से फंस गए हैं। महाराष्ट्र में अबू के खिलाफ FIR दर्ज कर दी गई है। सोशल मीडिया पर भी कई लोग अबू के बयान पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।मुंबई के मानखुर्द शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक आजमी ने दावा किया, हमारा जीडीपी विश्व सकल घरेलू उत्पाद का 24 प्रतिशत था और भारत को (औरंगजेब के समय) सोने की चिड़िया कहा जाता था। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अबू आजमी के बयान इस बयान के बाद काफी ज्यादा भड़क गए थे। उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज को जिसने 40 दिनों तक बंधक बनाकर मारा, वह उत्तम प्रशासक कैसे हो सकता है? जिसने अपनी मां और बहनों की इज्जत लूटी, वह औरंगजेब अबू आजमी को कैसे प्यारा लग सकता है। एकनाथ शिंदे के अलावा शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने अबू आजमी के इस बयान पर नाराजगी जाहिर की है।

दरअसल, अबू आजमी ने बॉलीवुड फिल्म छावा के संदर्भ में कहा कि सारा गलत इतिहास दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए और वह क्रूर नेता नहीं था। सपा के विधायक ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच लड़ाई धार्मिक नहीं बल्कि सत्ता के लिए थी। उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच लड़ाई सत्ता के लिए थी। अगर कोई कहता है कि यह लड़ाई धर्म के लिए थी, तो मैं इस पर विश्वास नहीं करता। उस समय के राजा सत्ता और संपत्ति के लिए संघर्ष करते थे, लेकिन यह धार्मिक नहीं था। उसने (औरंगजेब ने) 52 साल तक शासन किया, और अगर वह वाकई हिंदुओं को मुसलमान बना रहा था - तो कल्पना कीजिए कि कितने हिंदुओं ने धर्म परिवर्तन किया होगा।उन्होंने कहा कि अगर औरंगजेब रहमतुल्लाह ने मंदिर तोड़े थे, तो उसने मस्जिदें भी तोड़ी थीं। अगर वह हिंदुओं के खिलाफ होता, तो 34% हिंदू उसके साथ नहीं होते; और उसके सलाहकार हिंदू नहीं होते। इसे हिंदू-मुस्लिम एंगल देने की कोई जरूरत नहीं है। यह देश संविधान से चलेगा, और मैंने हिंदू भाइयों के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा है। इस बीच, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सदस्यों ने मुंबई और ठाणे शहर में आजमी के खिलाफ दो शिकायतें दर्ज कराईं। इसके बाद ठाणे में एक प्राथमिकी दर्ज की गई।

महाराष्ट्र में यह पहला मौका नहीं है जब औरंगजेब का जिन्न कब्र से निकला हो ।कुछ दिनों से औरंगजेब के नाम का भूत कुछ युवाओं के सिर पर चढ़कर बोल रहा है। ये युवा औरंगजेब का स्टेट्स अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लगा रहे हैं।, जिसकी वजह से पुलिस को खासा परेशानी झेलनी पड़ रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों से ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जहां पर लोग औरंगजेब का स्टेटस अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लगा रहे हैं। हाल ही में मुंबई से सटे मीरा-भायंदर इलाके से एक मामला सामने आया जहां पर एक शख़्स ने अपने इंस्टाग्राम पर टीपू सुलतान और औरंगजेब का फोटो इस्तेमाल कर एक वीडियो रील बनाई और उसे अपलोड की जिसमे उसने कहा की कोई यह मत समझना की हम खत्म हो गए, हम फिर आएंगे वही दौर लेकर यह वीडियो जैसे ही वायरल हुआ उसपर विश्व हिंदू परिषद से जुड़े एक कार्यकर्ता की नजर पड़ी, जिसके बाद उसने इस बात की जानकारी दूसरे लोगों को दी और फिर इस मामले की वजह से शहर का लॉ एंड ऑर्डर खराब न हो इस वजह से विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने पुलिस का रुख किया। भायंदर पुलिस स्टेशन के इस मामले के जांच अधिकारी अनिल करे ने बताया कि 23 अगस्त के दिन विश्व हिंदू परिषद के ज़िला मंत्री नांगनाथ कांबले ने शिकायत दी की, जिसमें उन्होंने बताया कि एक साहिल नाम का लड़का, है जिसने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर औरंगजेब और टीपू सुलतान इन दोनों का एक वीडियो बनाया रील बनाया है और उसे शेयर किया है।

करे ने आगे बताया,ह्वजिसके बाद हमने उसे देखकर वेरिफाई किया और सीनियर अधिकारियों से बातचीत कर हमने FIR दर्ज की है, यह FIR IPC की धारा 153(A) और 34 के तहत दर्ज किया है, FIR दर्ज कर हमने साहिल का पता लगाया और उसे भायंदर इलाके से गिरफ़्तार किया, इस मामले दानिश नाम के दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।, आपको बता दें की बीते कुछ महीनों में ऐसे ही कुछ मामले महाराष्ट्र के कोल्हापुर, अहमदनगर, धुले और नासिक से भी सामने आये हैं। इसी साल महाराष्ट्र के अहमदनगर के संगमनेर तालुका में औरंगजेब की तारीफ में पोस्टर लगाने की घटना सामने आई थी वहाँ विरोध प्रदर्शन किया गया था। ये पहली घटना थी, जिसके बाद प्रदर्शन के बाद अज्ञात लोगों की ओर से पथराव हुआ जिसमे दो लोग घायल हो गए थे और कई गाड़ियों को भी नुकसान हुआ था। पोस्टर के बाद तुरंत दूसरे दिन यानी की 7 जून के दिन कुछ लोगों ने कोल्हापुर में औरंगजेब और टीपू सुलतान का स्टेटस अपने सोशल मीडिया पर रखा था। ये दूसरी घटना थी, जिसके बाद आज कुछ हिंदू संगठन इसके विरोध प्रदर्शन के लिए इकठ्ठा हुए थे और पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर 'कोल्हापुर बंद' का आयोजन किया इसी बीच प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति पैदा हुई थी।

इसके बाद तीसरी घटना महाराष्ट्र के बिड के अष्टि इलाके में सामने आई 9 जून के दिन एक 14 साल के लड़के ने अपने वाट्सएप पर औरंगजेब का स्टेटस रखा और उसने उसने औरंगजेब की तारीफ की थी। यह बात सामने आते ही इस मामले में एक शिकायत दर्ज कराई गई। बाद में, कुछ स्थानीय हिंदुत्ववादी संगठनों ने इस घटना के विरोध में ह्यबंद' का आवाहन किया था। और इस चौथी घटना में तो एक शख़्स ने औरंगजेब के राज्याभिषेक करने की बात सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी 10 जून के दिन महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर का यह मामला है जिसमे एक शख्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर कहा था कि औरंगजेब का राज्याभिषेक समारोह मनाओह्न पोस्ट में कहा गया था कि 364 साल के बाद (औरंगजेब की) जयंती को बड़े धूमधाम से मनाया जाना चाहिए। इस मामले के सामने आने के बाद अताउर रहमान पटेल नाम के शख़्स के खिलाफ सिडको पुलिस में FIR दर्ज किया था। 5वां मामला नवी मुंबई के वाशी इलाके से आया, यहां 10 जून के दिन एक मामला सामने आया जिसमे एक शख़्स बी औरंगजेब की तस्वीर अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर लगा रखी थी, इसे देखने के बाद अमरजीत सुर्वे नाम के व्यक्ति की इसकी शिकायत वाशी पुलिस को की और फिर पुलिस ने मोहम्मद अली मोहम्मद हुसैन के खिलाफ मामला दर्ज किया था। छठवीं मामला महाराष्ट्र के कोल्हापुर के कागल इलाके में हुआ, यहां 12 जून के दिन एक मामला सामने आया जिसमे फटाके की दुकान चलाने वाले फारुख यासीन असलकर नाम के शख़्स ने टीपू सुल्तान का पोस्ट अपने सोशल मीडिया पर किया जिसके बाद वहाँ हिंदू संघटना ने बंद का आवाहन किया पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ़्तार किया। 7वां मामला 12 जून के दिन महाराष्ट्र के अहमदनगर के पारनेर इलाके में हुआ, यहां एक 22 साल के लड़के ने सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट किया जिसके बाद वहाँ बंद का आयोजन किया गया। आठवाँ मामला उसी दिन यानी कि 12 जून को सांगली में हुआ, यहां एक नाबालिग बीजापुर के जनरल अफजल खान की तस्वीर को अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया जिसके बाद उसके खिलाफ पुलिस को मामला दर्ज करना पड़ा। नौवाँ मामला लातूर के किल्लारी गाँव में हुआ, यहां 15 जून के दिन एक शख़्स ने औरंगजेब का पोस्ट सोशल मीडिया पर डाल दिया जिसके बाद हिंदू संघटन के विरोध प्रदर्शन किया और कई दुकानों को बंद करवाया गया था ।देखने वाली बात यह होगी कि ताजा मामला कहां जाकर रुकता है।

वसंत पंचमी के बाद मौसमें-गुल का आना

-विक्रम दयाल

पतझर में पेड़ पौधे और वृक्ष अपनी पत्तियाँ गिरा कर ऋतुओं के राजा ऋतुराज के आगमन की प्रतीक्षा करते हैं. ऋतुराज अपनी ऋतुरानी के साथ भूमंडल के चारो दिशाओं में अपनी मुस्कान विखेरते हुए जमीन पर, पेड पौधों पर, जंगल को मंगल करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए पूरे भूमंडल पर धीरे धीरे थिरकते हुए ज्यों ज्यों करीब आता है, त्यों त्यों निर्जीव वनी वनस्पतियाँ, विन पत्तों के पेड़ और पौधे, बड़े बड़े वृक्षों की डालियों में नई नई कोमल कोमल पत्तियाँ मुस्कुराने लगती हैं. और इसतरह भूमंडलीय जलवायु में परिवर्तन दिखाई देने लगता है। वृक्षों लताओं और फूलों की क्यारियों में, मुरझाई डालियों में हरापन आने लगता है। पतझर के बाद बिन पत्तों के पेड और वृक्षों में नई नई हरी हरी कोमल पत्तियाँ आने लगती हैं। तब पृथ्वी का वातावरण लुभावना और सुहावना होने लगता है। पेडों और वृक्षों में नई नई डालियाँ नैन झपकाते हुए मुस्कुराने लगते हैं। देखते देखते धीरे धीरे डालिओं में, पत्तियों के बीच फूलों की नन्ही नन्ही कलियाँ आँखों में हंसीन अदायें लिये पलकें झपकाते हुए मुस्कुराने लगती। कुछ ही दिनों में लताओं और झाडियों में फूलों के गुच्छे बहती हुई हवाओं में अपनी डालियों में झूमते हुए झूलने लगते है। किस्म किस्म के महकते हुए फूल धरती के वातावरण को सुगंधित करने लगते हैं। फूलों के ऊपर भौंरे, रंग विरंगी तितलियाँ मडराने लगती हैं। वसंत ऋतु का सुंदर मुखौटा दुल्हन के जैसे निखरने लगता है। वृक्षों पर खिलने वाले फूल सदाबहार, गुलमेंहदी, मधुमालती, जलकुंभी, डहलिया, पेटुनियाँ, गुलदाऊदी, पलास, सेमल, इत्यादि फूलों के पेड़ पौधे तथा

पेडों में नन्ही नन्ही कलियाँ नैन मटकाने लगती हैं। फूलों के बाग बगीचों में बिन पत्तियों के वीरान पडे फूलों की टहनियों में नई नई पत्तियों का विकास होने लगता है। पत्तियों के विकास के साथ ही उन पौधों में नई नई फूलों की कलियाँ धीरे धीरे अपने झरोंखों से झाँकने लगती हैडड। गुलाब, मोंगरा, लिली, कमल, रजनीगंधा, चमेली, चंपा, गुडहल,गेदा, सूर्यमुखी, एक्सिया, विजोनियाँ, गुलबहार, वनफूल, डफोडिल, अपराजिता, नीलकमल, असोनियाँ, पटसन, वनफसा इत्यादि इत्यादि फूलों के पौधों में फूल डालियों में मुस्कुराने और चहकने लगते हैं। फूलों की बहार आने से मौसम-बहारे चारों दिशाओं को लुभाने लगती है। बहुत ही सुंदर मनमोहक वातावरण सभी की आँखों में दृष्टिगत होने लगता है. मौसमे-बहार का करिश्माई नजारा चारो तरफ दृष्टिगोचर होते ही चलने वाले, दौडने वाले, रेंगने वाले, उडने वाले, जीवों में भी नई उमंगे लहराने लगती है। कहने का ततत्पर्य यह कि हर जीव नये जोश में धरती पर इधर उधर आवाजे करते हुए मटकने लगते है। फूलदारवृक्ष, छायादार वृक्ष, फलवाले वृक्ष सब हरे भरे हो गये। इसतरह प्रकृति का नया मिजाज, मौसम का बहारों के संग होली खेलने जैसा मनोहर दृष्य इंसानों के मन को मोहने लगा। इंसान भी खुशहाल होकर होली खेलने की तैयारियाँ शुरू करदी। वसंत के बाद से ही होली के रंग की शुरूवात होती है। गाँव और शहर के लोग उत्साह और उमंग लिए होली खेलने के लिए सभी तैयारियाँ करने लगते हैं. ग्रामीण बच्चों में गजब का उत्साह दिखाई देने लगता है । बांसों से बनी पिचकारियों में पानी या फूलों से बने रंग, भर भर कर गलियों और रास्तों से गुजरने वाले लोंगों पर डालने के लिए दौड लगाने लगते हैं। हुल्लड़बाजी, हुड़दंग से गाँव का नजारा रंगीन और नमकीन होने लगता है। खेतों के काम से फुर्सत मिलते ही बडे लोग भी बच्चों का साथ देने लगते हैं। बुराई पर अच्छाई का प्रतीक होली का त्यौहार हर वर्ष होलिका दहन से संपन्न होता है। इसलिए गांव के लोग होलिका दहन के लिए लकडियों का प्रबंध करने लगते हैं। बिना काम की इधर उधर पडी लकड़ियों को एकजगह एकत्रित करते हैं। होलिका पूजन कर, एकदूसरे को रंग गुलाल लगाकर तब होली जलाते हैं, और आसपास का वातावरण साफ सुथरा बन जाता है। दूसरे दिन सुबह होते ही बच्चे और जवान लड़कियाँ और औरतें खुशी से आपस में मिल करके एकदूसरे पर पहले मिट्टी गोबर डालते हैं। और दोपहर के बाद एकदूसरे पर रंग फेंक कर या पिचकारियों से रंग डालते हुए मस्तियाँ और हुड़दंग मचाते हैं। शाम के समय सभी लोग इकट्ठा होकर फाग, चैता या होली लोकगीत का गायन ढोल, मजीरा, ढप, करताल इत्यादि बजाकर नाचते और गाते हैं। इसतरह गाँव की होली बाजे गाजे के साथ संपन्न होती है। शहरों के लोंगों की होली गांव की होली से अलग होती है। थोडी सी लकडी इकट्ठा कर उसे बाजे गाजे के साथ एकत्रित होकर होलिका पूजन करके जलाते हैं। और दूसरे दिन एक दूसरे पर रंग अबीर गुलाल लगा कर होली संपन्न करते हैं। बहुत से लोग बनावटी और जिद्दी रंगों का इस्तेमाल कर एक दूसरे को बुरी तरह लगा देते हैं जिससे चेहरे पर फुंसियाँ या फोडे पड़ने लगते हैं। जब कि ऐसा नही करना चाहिए। इसलिए बहुतसे लोग अपने घरों में ही छुपकर रह जाते हैं बाहर नही निकलते हैं। होली के साथ ही हिंदू धर्म का अंतिम त्यौहार खुशहालियों के साथ संपन्न होता है। इसतरह सब लोग नये वर्ष के स्वागत के लिए दिल खोलकर तैयारियाँ करते हैं।

आने वाले कल के लिए जल के लिए भी सोचें

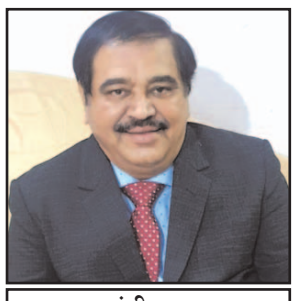

संजीव ठाकुर

जल की एक बूंद का संरक्षण मानवीय जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है। जल की एक-एक बूंद जीवन के लिए बेशकीमती और बहु उपयोगी है। जल की बबार्दी भविष्य के बहुत बड़े खतरे को इंगित करती है, यदि पृथ्वी पर जल नहीं होगा तो जीवन की संभावनाएं भी विलुप्त हो जाएंगीं। सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है'पृथ्वी की सतह का लगभग 70% भाग जल से आच्छादित है'पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97% समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है 'अतः मात्र 3% जल ही पीने के योग्य है,इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूगर्भीय जल के रूप में मनुश्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है।

यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी-बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियाँ नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई है। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा में जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के मध्य बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है। इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, मांडवी जैसे अंतरराष्ट्रीय नदियों गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां हैं। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कब रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महा युद्ध की संभावनाओं को यदि टटोलने तो यह बात सत्य प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होगें तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण मानवता तार-तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप लें एवं जल जैसे हम उन संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाएं। यूनाइटेड नेशंस वाटर अभियान के माध्यम से जल संकट से विश्व को अवगत करवाते हुए जल संकट के संबंध में आमजन को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी तरफ प्रसिद्ध non-governmental ऑगेर्नाइजेशन जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता से अधिक जल प्रयोग करने से धरती का जलस्तर कृषकों की पहुंच से परे होता जा रहा है। वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रेरित अंधाधुंध विकास की दौड़ में जल स्त्रोतों को प्रदूषित कर मानव समाज ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। बढ़ती जनसंख्या भी वैश्विक जल संकट का एक बड़ा कारण है। यदि जनसंख्या की वृद्धि की रफ्तार से होती रही तो अगले दशक में वैश्विक जनसंख्या में वृद्धि की दर से 25% जनसंख्या को प्रयोग जितना ही पानी उपलब्ध हो पाएगा। यह भयानक जल संकट तथा वैश्विक खतरे की ओर इंगित करता है। वैश्विक स्तर पर जल विवाद लगातार होते रहते हैं मध्य एशिया में कैस्पियन सागर के जल बंटवारे संबंधी विवाद का समाधान तटवर्ती देशों द्वारा संधि के माध्यम से किया गया है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो स्थिति और भी जटिल होती जा रही है देश की जनसंख्या तो विश्व की जनसंख्या का लगभग 17.5% है, लेकिन ताजे जल की उपलब्धता 1% से भी कम है। राजस्थान में स्थिति जल संकट की बड़ी भयावह है वहां जल की उपलब्धता 1% से भी बहुत नीचे जल संकट वहां की नियति बन गई है। 2040 तक भारत के तीन चौथाई शहरों को जल संकट से जूझना होगा। अब हमारा दायित्व तथा कर्तव्य होगा कि समाज को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें एवं जल संरक्षण से संबंधित विधि तथा तकनीक से परिचित कराएं एवं उसका समुचित उपयोग करें। व्यक्ति स्वयं जल का संरक्षण करें तथा दूसरों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें ताकि हम आने वाले कल के लिए जल संकट रूपी विकराल एवं जनता हर समस्या का सामना आसानी से कर पाएं। जल संकट के महाविनाश से यदि बचना है तो जल संरक्षण हर नागरिक को एक कर्तव्य की तरह करना होगा।

भारत में भ्रष्टाचार है बेलगाम

भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के वायदे वफा होते नजर नहीं आते। दुनिया भर में भ्रष्टाचार के विरुद्ध काम करने वाली गैर-सरकारी संस्था ट्रांसपेरैंसी इंटरनैशनल की नई रिपोर्ट बताती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए नारे कि ह्यन खाऊंगा, न खाने दूंगाह्न के बावजूद भारत में भ्रष्टाचार बेलगाम है। कारोबारियों के साथ-साथ राजनेताओं और नौकरशाहों के यहां से भी छापों में भारी नकदी की बरामदगी का अर्थ यही है कि खाने-खिलाने का सिलसिला बंद तो नहीं हुआ है। ट्रांसपेरैंसी इंटरनैशनल द्वारा भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक सी.पी.आई. पर आधारित वर्ष 2024 के लिए हाल ही में जारी भ्रष्ट देशों की सूची बताती है कि भ्रष्टाचारमुक्त भारत सपना ही बना हुआ है। इस सूची में शामिल 180 देशों में भ्रष्टाचार के मामले में भारत 38 अंकों के साथ 96वें स्थान पर है, जबकि साल 2023 में भारत 39 अंकों के साथ 93वें स्थान पर था। दरअसल जिस देश को सी.पी.आई. में ज्यादा अंक मिलते हैं, वहां भ्रष्टाचार कम माना जाता है।

घटते अंक ज्यादा भ्रष्टाचार का प्रमाण होते हैं, जिनके साथ-साथ स

पी एस फाउंडेशन के वरिष्ठ सदस्य उमेश उपाध्याय का जन्मदिन मारुति हाई स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी पूर्व के जाने माने समाजसेवक और पी एस फाउंडेशन के वरिष्ठ सदस्य उमेश उपाध्याय का जन्मदिन गत दिनों अंधेरी पूर्व के सुभाष नगर स्थित मारुति हाई स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बता दें कि उत्तर भारतीय समाज में अच्छी खासी पैठ बना चुके मृदुभाषी, स्वच्छ छवि के उमेश उपाध्याय पिछले तीन दशक से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। यही वजह है कि उनके जन्मदिन पर आम और खास सभी वर्गों के लोगों ने उपस्थित होकर उन्हें जन्मदिन पर शतायु होने की शुभकामना दी। इस अवसर पर उमेश उपाध्याय को जन्मदिन पर बधाई देने पहुंचे पी एस फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने उपाध्याय को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके द्वारा सामाजिक क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इसके अलावा उपाध्याय के पुत्र सौरभ उपाध्याय की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि बड़ी मेहनत और ईमानदारी के साथ पी एस फाउंडेशन की यूथ विंग को गौरव सम्भाल रहा है ।जन्मदिन की बधाई देने वाले अन्य प्रमुख लोगों में उद्योगपति प्रमोद पांडे, अधिवक्ता संदीप शुक्ला ,पुष्पा त्रिपाठी, अशोक दुबे, वरिष्ठ पत्रकार राजेश पांडे , मनीष पटेल, संदीप चौबे सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उपाध्याय को जन्मदिन पर शतायु होने की शुभकामना दी।

आर पी आई नेता ने मनपा एल वार्ड के कुछ अधिकारियों के तबादले की मांग की

मुंबई। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के मुंबई प्रदेश उपाध्यक्ष बाबुशा कांबले ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन को एक लिखित शिकायत पत्र देकर मनपा एल वार्ड के कई अधिकारियों के तबादले की मांग की है। कांबले ने राज्यपाल को भेजे गए अपने पत्र में कहा है कि मनपा एल वार्ड के इमारत विभाग के मुकादम दत्ता पोकले पिछले १५ वर्षों से मनपा एल विभाग में ही कार्यरत हैं। जबकि मनपा नियमों के मुताबिक कोई भी कर्मचारी एक विभाग में सिर्फ तीन वर्ष तक ही काम कर सकता है। मुकादम पोकले के १५ वर्ष के कार्यकाल में अभी तक जी+२ के सौ से डेढ़ सौ अवैध बाँधकाम किए जा चुके हैं। जिसमें लाखों रुपए के घोटाले हुए हैं। कमोबेश इसी तरह एल वार्ड के सड़क विभाग के अभियंता प्राश गवली पिछले दस वर्षों से एल वार्ड में कार्यरत हैं ।सड़कों की मरम्मत का कार्य उन्हीं के हाथों में है। बताया जाता है कि इन दस वर्षों में सड़कों की मरम्मत घटिया स्तर पर किए जाने से वाहन चालकों और राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए इन दोनों ही मनपा अधिकारियों का एल वार्ड से तत्काल तबादला किया जाना चाहिए जिससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सके। आर पी आई नेता बाबुशा कांबले ने यह भी कहा कि मुंबई मनपा पिछले दो साल से मनपा आयुक्त के अधीन चलाई जा रही है। इस कारण मुंबई के अधिकांश वार्डों में अधिकारियों की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण बढते जा रहे हैं इसके अलावा अधिकारियों का स्थानांतरण भी नियमों के अनुसार नहीं हो रहा है।

आईसीआईसीआई प्रु गिफ्ट सिलेक्ट बचत प्लान पेश किया

ठाणे/मुंबई। आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रु गिफ्ट सिलेक्ट नामक नया दीर्घकालिक बचत प्लान पेश किया है, जो ग्राहकों को निश्चित आय की गारंटी देता है और आवश्यकता पड़ने पर पैसे निकालने की सुविधा प्रदान करता है ।इस प्लान में ग्राहकों को कई लचीले विकल्प उपलब्ध हैं। इसमें यह तय करने की स्वतंत्रता है कि निश्चित आय कब शुरू करनी है, आय की अवधि कितनी होगी, और प्लान की मैच्योरिटी पर निर्धारित राशि प्राप्त की जाएगी। इसके अतिरिक्त, इसमें जीवन बीमा भी शामिल है, जो परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है ।इस प्लान की खास बात बढ़ती हुई आय का विकल्प है, जिसमें आय हर साल ५% की चक्रवृद्धि दर से बढ़ती है। इससे महंगाई के दौर में भी आर्थिक प्रबंधन करना आसान हो जाएगा। आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के प्रमुख उत्पाद एवं वितरण अधिकारी श्री अमित पालटा ने कहा, ह्लहमारे नवीनतम प्रयासों के अनुरूप, हम हमेशा ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुसार नई और उपयोगी योजनाएं पेश करते हैं। आईसीआईसीआई प्रु गिफ्ट सिलेक्ट भी ऐसा ही एक प्लान है, जो ग्राहकों को उनके आर्थिक उद्देश्यों और नकदी प्रवाह की जरूरतों के अनुसार निश्चित आय की गारंटी देता है ।ह्लपिछले कुछ महीनों से बाजार में अस्थिरता का अनुभव हो रहा है। ऐसी स्थिति में, ग्राहक निश्चित रिटर्न और सुरक्षित निवेश को प्राथमिकता देते हैं। यह प्लान ग्राहकों को बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाव करते हुए उनके आर्थिक उद्देश्यों को हासिल करने में मदद करेगा। इस प्लान में बढ़ती आय की विशेषता के कारण, ग्राहक महंगाई की चिंता किए बिना दीर्घकालिक आर्थिक योजना बना सकेंगे। हम अपने ग्राहकों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इसी का प्रमाण है कि वित्तीय वर्ष २०२५ के पहले ९ महीनों में, हमारा क्लेम सेटलमेंट रेशियो ९९.३% रहा है, यानी लगभग सभी बीमा दावे सफलतापूर्वक निपटाए गए। साथ ही, जिन मामलों में जांच की जरूरत नहीं पड़ी, उनमें औसतन सिर्फ १.२ दिन में क्लेम का भुगतान कर दिया गया, जिससे ग्राहकों को जल्दी सहायता मिल सकी।

छह गज की साड़ी में लिपटी भारत की समृद्ध धरोहर का अनावरण, तनाएरा पेश करते हैं परिचय

मुंबई/पटना। टाटा की प्रोडक्ट तनाएरा पटना बोरिंग रोड पर आयोजत परिचय के साथ आपको भारती समृद्ध विरासत की शानदार यात्रा पर ले जाने के लिए तैयार है। परिचय का आयोजन 6 मार्च से 12 मार्च 2025 के बीच दोपहर 11:30 बजे से शाम 8:30 बजे होगा। दुर्लभ हेरिटेज कारीगरी के माध्यम से पौराणिक रानियों एवं पात्रों की मनमोहक कहानियों को उजागर करते हुए परिचय भारत की कलात्मक धरोहर का एक्सक्लुजिव प्रदर्शन करेगा, जहां सदियों पुरानी टेक्सटाईल की परम्पराएं आधुनिक डिजाइन की प्रेरणा से मिलती प्रतीत होती हैं। परिचय में आपको कलात्मक चमत्कारों की ऐसी दुनिया का अनुभव पाने का मौका मिलेगा, जहां टसर की हर साड़ी परम्परा और भव्यता के संयोजन के साथ एक अनूठी कहानी बयां करती है। चम्बा रूमाल कढ़ाई की जटिल कलात्मकता से लेकर सदाबहार कांथा कढ़ाई के आकर्षक बाटिक प्रिंट के संयोजन के साथ हर साड़ी अपने आप में कलात्मक धरोहर का कैनवास है।

क्रूर और अत्याचारी शासक था औरंगजेब: बाबूभाई भवानजी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबूभाई भवानजी ने कहा है कि औरंगजेब एक क्रूर और अत्याचारी शासक था। उसने हिंदुओं पर अत्याचार किया और असंख्य हिन्दू मंदिरों को नष्ट किया। आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए भवानजी ने कहा कि औरंगजेब के कृत्य बहुत अमानवीय थे। उसके क्रिया कलापों से देश में हिन्दू और मुस्लिम समाज के बीच दूरी और बढ़ गई। उन्होंने कहा कि अबू आजमी को तटस्थ भाव से औरंगजेब का इतिहास पढ़ना चाहिए, तब उन्हें उस क्रूरकर्मा की असलियत का पता चलेगा। उन्होंने कहा कि भारत के मुसलमानों को औरंगजेब नहीं रसखान और अब्दुल रहीम खानखाना को अपना आदर्श मानना चाहिए ।बता दें कि मुगल बादशाह औरंगजेब एक बार फिर सुर्खियों में है. इस बार मामला सिर्फ इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं है, बल्कि बॉलीवुड की फिल्म 'छावा', समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के बयान और महाराष्ट्र की सियासत ने इसे और गर्मा दिया है. औरंगजेब और छत्रपति शिवाजी महाराज के बीच सदियों पुरानी दुश्मनी आज भी लोगों के जेहन में ताजा है. अब इस मुद्दे पर सियासत तेज हो गई है.छावा फिल्म से शुरू हुआ विवादहाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'छावा' ने औरंगजेब को लेकर बहस की शुरूआत की. यह फिल्म मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक और छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े बेटे संभाजी महाराज की जिंदगी पर आधारित है.

फिल्म में विक्की कौशल ने संभाजी का किरदार निभाया है, जबकि अक्षय खन्ना ने औरंगजेब की भूमिका अदा की है. फिल्म में संभाजी के साहस, बलिदान और औरंगजेब के अत्याचारों को दिखाया गया है. संभाजी को औरंगजेब ने 1689 में क्रूरता से मरवा दिया था, जिसे फिल्म में भावनात्मक ढंग से पेश करने की कोशिश हुई है.कुछ इतिहासकारों और आलोचकों ने फिल्म पर सवाल उठाए कि क्या यह ऐतिहासिक तथ्यों को सही ढंग से पेश करती है या इसमें तथ्यों को बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया है. समाजवादी पार्टी के नेता और महाराष्ट्र विधायक अबू आजमी ने औरंगजेब की तारीफ करके विवाद को और हवा दे दी. आजमी ने कहा, औरंगजेब क्रूर शासक नहीं था. उसने कई मंदिर बनवाए और उसके शासन में भारत 'सोने की चिड़िया' था. इतिहास को गलत ढंग से पेश किया जा रहा है. आजमी ने यह भी दावा किया कि औरंगजेब और संभाजी के बीच की लड़ाई धार्मिक नहीं, बल्कि सत्ता की थी.आजमी के इस बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल ला दिया. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने तुरंत पलटवार करते हुए कहा किऔरंगजेब ने संभाजी महाराज को 40 दिनों तक यातनाएं दीं. उनकी आंखें निकाली गईं, जीभ काटी गई और फिर उनकी हत्या कर दी गई. ऐसे शासक को महान कहना हमारे महाराज का अपमान है. आजमी के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज होना चाहिए. उन्होंने आजमी से माफी मांगने की भी मांग की.

शिवसेना की नेता शाइना एनसी ने भी आजमी पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, औरंगजेब ने हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई, मंदिरों को तोड़ा और आतंक फैलाया. आजमी को इतिहास पढ़ने की जरूरत है. बीजेपी नेता राम कदम ने भी कहा, ₹मुगल आक्रांताओं की तारीफ करना सपा के डीएनए में है. आजमी को 'छावा' फिल्म देखनी चाहिए ताकि उन्हें सच पता चले.

माह-ए-रमजान के दूसरे दिन रोजा इफ्तार दावत सोहेल खडवानी द्वारा अयोजित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सोमवार के दिन मुंबई पीर मखदूम शाह माहिम दरगाह एवम हाजी अली दरगाह के ट्रस्टी और अध्यक्ष सोहेल खंडवानी ने आज समाज के सभी व्यक्ति विशेष को माह-ए-रमजान महीने के दूसरे रोजा इफ्तार के मौके पर आमंत्रित किया। जिसमें हर धर्म संप्रदाय से लोगों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए साथ में अनेकता में एकता के उदाहरण को चरितार्थ करते हुए समाज को सही संदेश देने के उपक्रम को पूरा किया। रमजान के महीने में रोजा रखने वाले बहुत से गरीब जरूरत मंद लोगो को शेरी और इफ्तार दी जाती है। इस मौके पर सिख समाज से सुखविंदर सिंह (लाला भाई), हरिकेश जैसवाल, जय हिंद कुमार प्रजापति, शंकर बूते, सिद्धिविनायक मंदिर के ट्रस्टी भास्कर शेट्टी, पारसी समाज केरसी तवाडीया, मिलिंद ऊके, डॉ.गोरख, सनी वलिका, शब्बीर, इब्राहिम, भोरी समाज, मराठी कोळी समाज और बुद्धिस्ट धर्मगुरु जी ऐसे लोगों का उसमें समावेश रहा सभी ने अपने-अपने तौर तरीके से लोगों को रमजान की मुबारकबाद और शुभकामनाएं दी।

रोटरी इंटरनेशनल की सार्वजनिक सेवा अद्वितीय है

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विश्व में मिशनरियों के बाद यदि किसी ने निःस्वार्थ सेवा का व्रत लिया है, तो वह रोटरी क्लब या रोटरी इंटरनेशनल फाउंडेशन नामक धर्मार्थ संगठन है। आज विश्व के सामने सबसे बड़ा मुद्दा पर्यावरण और बदलती जलवायु तथा इससे उत्पन्न होने वाली समस्याएं हैं।

आज हर दिन बदल रहे जलवायु परिवर्तन का असर पर्यावरण पर पड़ने लगा है और सबसे ज्यादा मार प्रकृति पर पड़ रही है। बेमौसम बारिश, बढ़ती ठंड और बढ़ते तापमान का असर मुख्य रूप से मानव जीवन और जानवरों पर पड़ रहा है। विभिन्न बीमारियों का फैलना इसका एक हिस्सा है। इसलिए, यदि हर भारतीय अपने घर के आंगन में कम से कम एक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल करे, तो ही आने वाली पीढ़ी खुलकर सांस ले पाएगी और स्वास्थ्य को बढ़ाकर स्वस्थ जीवन जी पाएगी। इसके लिए पेड़ लगाएं। समुद्र को साफ रखने में अहम भूमिका निभाने वाले नमक के दलदलों को संरक्षित किया जाना चाहिए। यह अपील रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष संकू यूं ने मुंबई में की। मुंबई दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने पेड़ों के महत्व और जीवन पर टिप्पणी करते हुए उक्त अपील की। उन्होंने बंगलौर के एक पर्यावरणविद् की प्रशंसा की, जिन्होंने दस लाख पेड़ लगाने के उनके संकल्प के आधे से अधिक पेड़ लगाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस अवसर पर रोटरी मुंबई जिला 3141 के गवर्नर राजन दुआ, रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टर राजू सुब्रमण्यम, पूर्व गवर्नर राजेंद्र अग्रवाल और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

रोटरी इंटरनेशनल एक वैश्विक स्वयंसेवी संगठन है जो शांति, सदभाव और सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस संगठन के माध्यम से विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य देखभाल सहायता गतिविधियाँ कार्यान्वित की जाती हैं। दुश्मन और आतंकवादियों की गोलियों से शहीद हुए वीर सैनिकों की विधवाओं और परिवारों के लिए सरकार आश्रय प्रकल्प या आश्रय स्थल नहीं बना रही है। इस समय इस संगठन द्वारा देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद सैनिकों की विधवाओं और परिवारों के लिए मुंबई के चेंबूर इलाके में साढ़े चार करोड़ की लागत से आवास परिसर आश्रय प्रकल्प बनाया जा रहा है। यह जानकारी राजन दुआ ने दी। पूरी दुनिया में युद्ध के बादल छाए हुए हैं। इस समय रोटरी इंटरनेशनल दुनिया में शांति स्थापित करने और उसे बनाए रखने के लिए काम कर रहा है। रोटरी इंटरनेशनल के हजारों शांतिदूत या शांति विशेषज्ञ दुनिया भर के 38 शहरों में सेवा देने के लिए तैयार हैं। इसके लिए इन सभी स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया है और संगठन का उन पर पूरा ध्यान है। रोटरी विश्व से पोलियो और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को मिटाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। यह न केवल एशिया में बल्कि अफ्रीका जैसे पिछड़े महाद्वीपों में भी बीमारियों को मिटाने के लिए काम कर रहा है। यह रोगी देखभाल सहायता सेल के माध्यम से पोलियो और कैंसर जैसी बीमारियों के उपचार के तरीकों पर काम करके अपने सामाजिक ऋण को चुकाने की कोशिश भी कर रहा है।

खुले पड़े गटर चैंबर को बंद करने की मांग को लेकर उप अभियंता को सौंपा ज्ञापन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर से सटे सरावली ग्राम पंचायत अंतर्गत अवध नगर में एमआईडीसी द्वारा बनाये गए नाले के चैंबरों के मुंह जगह-जगह खुले पड़े हुए हैं। उक्त चैंबरों के मुंह को ढकने की मांग को लेकर सरावली ग्राम पंचायत सदस्या व भाजपा महिला जिला महासचिव जुली बारी द्वारा एमआईडीसी तारापुर के उप अभियंता को ज्ञापन सौंपा गया।

एमआईडीसी तारापुर के उप अभियंता को ज्ञापन जरिये बताया गया है कि अवध नगर में बने नाले के चैंबर खुले होने की वजह से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती हैं। चूंकि इसी मार्ग से एमआईडीसी तारापुर की कंपनियों के कामगार, स्कूली बच्चों समेत अनेक लोगों का हमेशा आना जाना लगा रहता है। इसलिए खुले पड़े चैंबरों के मुंह को जल्द से जल्द बंद कराया जाये। चैबरों के मुंह को न बंद कराने पर तीव्र आंदोलन करने चेतावनी भी ज्ञापन के माध्यम से दी गई है। बोईसर तारापुर एमआईडीसी के उप अभियंता को उक्त मांग को लेकर ज्ञापन सौंपते समय सरावली ग्राम पंचायत सदस्या व भाजपा महिला जिला महासचिव जुली बारी के साथ सामाजिक कार्यकर्ता संजय बारी, सुभाष चन्द्र दुबे, इमरान कुरैशी, संजीव श्रीवास्तव, मुस्ताक अंसारी, राहुल जायसवाल, रूपेश ठाकुर, प्रभाकर पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

तारापुर में महा स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

400 से अधिक लोगों ने शिविर का उठाया लाभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। तारापुर अणुशक्ति केंद्र तथा जिला परिषद पालघर के संयुक्त तत्वावधान में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तारापुर में भव्य महा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। शिविर का तारापुर और पंचक्रोशी के 400 से अधिक नागरिकों ने लाभ उठाया। इस अवसर पर जिला शल्य चिकित्सक रामदास मन्हाड भी मौजूद थे। शिविर में नागरिकों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच तथा उपचार सेवाएं प्रदान की गईं। रक्तचाप, रक्त शर्करा, मुंह, स्तन और गर्भाशय, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच, साथ ही गर्भवती माताओं और नवजात शिशुओं का स्वास्थ्य जांच किया गया। इसके अलावा सिकल सेल, सामान्य बीमारियों का निदान व उपचार भी प्रदान किया गया था। पालघर जिले में गर्भवती महिलाओं में बढ़ते एनीमिया की समस्या के मद्देनजर, तारापुर परमाणु केंद्र के सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत स्वास्थ्य विभाग एफ.सी.एम. इंजेक्शन उपलब्ध कराया गया था।

इसके अलावा नवीनतम माउथ कैंसर जांच यंत्र और सिकल सेल निदान यंत्र का उद्घाटन किया गया। गर्भवती महिलाओं के लिए 'सुपोषण किट' भी वितरित की गई।

इस शिविर का तारापुर न्यूक्लियर पावर सेंटर की सामाजिक उपक्रम के प्रमुख मिश्रा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, जिला माता-बाल केयर ऑफिसर डॉ. सागर पाटील, तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तनवीर शेख, साथ ही तारापुर न्यूक्लियर पावर स्टेशन अधिकारी डॉ. श्याम बिहारी और प्रभुपाद दास ने दौरा कर मार्गदर्शित किया। शिविर के सफल आयोजन में डॉ. वैभव देशपांडे, डॉ. उमेश अहिरे, मानसेवी चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, दवा उत्पादन अधिकारी, प्रयोगशाला अधिकारी, स्वास्थ्य सहायक, स्वास्थ्य सेवक सेविका, समूह प्रवर्तक व आशा ताई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।ग्रामीणों ने इस मुफ्त स्वास्थ्य जांच और उपचार सुविधाओं के लाभ के साथ अपनी संतुष्टि व्यक्त की और उन्होंने अपनी अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में इस तरह के शिविरों का आयोजन किया जाना चाहिए।

वाशी निवासी जीतलाल वैश्य का विवाह की 50 वीं वर्षगांठ मनाया गया

राजकुमार अग्रहरि

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। नवी मुंबई स्थित वाशी के अबॉट होटल , सेक्टर नं 2 , नवरत्न होटल के सामने वाशी नवी मुंबई में बड़े धूमधाम से मनाया गया। जीतलाल वैश्य समाज में एक प्रमुख स्थान रखने वाले और समाजसेवी के साथ साथ मिलन सार व सादवी विचारधारा के व्यक्ति हैं। व्यवसायी जीतलाल वैश्य व धर्म पत्नी श्रीमती रामकली वैश्य की शुभ विवाह के 50 वीं वर्षगांठ पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार राजकुमार अग्रहरि , पुत्र कमलेश वैश्य , राजेश वैश्य पुत्री सुमन , सरिता, पुत्र वधू श्रीमती अनीता और ऊषा, दामाद जयप्रकाश और अजय, पोती पोता दुर्गा, समृद्धि, आलोक, रिया वैष्णवी , श्लोक , नाति नातिन हर्षित , प्रतीक, आराध्या , श्रेया, सनाया सृष्टि सहित कई लोगों ने विवाह के 50 वीं वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

सिर्फ 9,999 रुपये में लॉन्च हुआ पोको M75

मुंबई। भारत का प्रमुख परफॉर्मेंस के दम पर चलने वाला स्मार्टफोन ब्रांड पोको ने पोको M7 5G को सिर्फ 9999 रुपये की अविश्वसनीय कीमत पर लॉन्च किया है। यह अपने सेगमेंट में सबसे बड़ा 6.88 इंच का डिस्प्ले और 120Hz का अल्ट्रा-स्मूथ एडाप्टिव रिफ्रेश रेट देने वाला एकमात्र स्मार्टफोन है। चाहे आप लगातार बिंज वॉच करें, गेम खेलें या स्क्रॉल करते रहें, पोको M7 5G एक शानदार और आंखों को आराम देने वाला अनुभव प्रदान करेगा। स्नैपड्रैगन® 4 जेन 2 चिपसेट, 12GB रैम (6GB टर्बो रैम) और 5160mAh की बैटरी से लैस, यह हैवी यूजर्स के लिए भी स्मूथ और बिना रुकावट वाली परफॉर्मेंस देता है। और जो लोग यादगार पलों को कैद करना पसंद करते हैं, उनके लिए 50MP का सोनी सेंसर कम रोशनी में भी एकदम साफ और स्पष्ट तस्वीरें लेता है। पोको इंडिया के कंट्री हेड, हिमांशु टंडन ने कहा, भारत का स्मार्टफोन बाजार तेजी से बदल रहा है, और आज के जमाने के यूजर्स बिना समझौता किए अधिक मूल्य की अपेक्षा करते हैं। पोको M7 5G फ्लैगशिप जैसी परफॉर्मेंस, एक शानदार डिस्प्ले और एक दमदार कैमरे को बेजोड़ कीमत पर लाकर उद्योग के मानदंडों को चुनौती देता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

दो बाइकों की भिड़न्त में युवक की मौत, पत्नी सहित चार गंभीर रूप से घायल

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेज रफ़्तार ने एक और जान ले ली उसके साथ साथ चार लोग अन्य भी घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सरपतहां थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी 30 वर्षीय सोनू शर्मा पुत्र हरिश्चंद शर्मा अपनी पत्नी 26 वर्षीय प्रियंका शर्मा एवं 24 वर्षीय शिवम शर्मा पुत्र कृपाशंकर शर्मा तीनों एक बाइक पर सवार होकर मंगलवार की सुबह शाहगंज दवा लेने आये थे। और दोपहर तक दवा लेकर अपने घर वापस जा रहे थे की रास्ते मे बड़ौना के पास विपरीत दिशा से आरही तेज रफ़्तार पल्सर बाइक से सीधी भिड़ंत हो गयी।जिससे दोनों बाइकों पर सवार एक महिला सहित पांच लोग बुरी तरह घायल हो गए। आनन फानन में स्थानीय लोगों ने 108 नम्बर एम्बुलेंस बुलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजवाया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद सोनू शर्मा उसकी पत्नी प्रियंका शर्मा, शिवम शर्मा, 30 वर्षीय इंद्रजीत पुत्र छोटेलाल, 30 वर्षीय फूलचंद पुत्र संतलाल निवासीगण कादीपुर सुल्तानपुर की हालत गम्भीर देखते हुए बेहतर इलाज हेतू जिला अस्पताल रेफर कर दिया।वहीं सोनू शर्मा और उसकी पत्नी प्रियंका शर्मा के परिजन नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।जहां सोनू शर्मा की मौत हो गयी।और उसकी पत्नी प्रियंका की हालत गम्भीर बनी हुई है।बताते चले मृतक सोनू शर्मा के दो बच्चे पांच वर्षीय वैभव और तीन वर्षीय कान्हा हैं। उधर मौत की खबर मिलने पर असप्ताल पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस आगे की विधिक कार्यवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया।

मृतक के परिजनों में मचा कोहराम

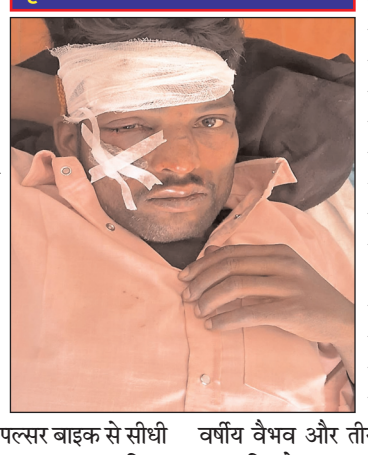

प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखा कुलपति ने किया रवाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने मंगलवार को महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग हेतु विश्वविद्यालय की टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि महिला दिवस के दृष्टिगत आयोजित प्रथम चक्र की प्रतियोगिता में आप लोगों ने अपने कठिन परिश्रम से स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में आयोजित द्वितीय चक्र की प्रतियोगिता के लिए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। महिला अध्ययन की प्रभारी डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने बताया कि प्रथम चक्र की भाषण एवं नाटक प्रस्तुति प्रतियोगिता में कुल 23 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। जो आज अगले चरण की प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए रवाना हो रहे है। गौरतलब है कि राज भवन उत्तर प्रदेश के निर्देश के क्रम में महिला दिवस के दृष्टिगत प्रदेश के विश्वविद्यालयों में प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही है। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, श्याम त्रिपाठी समेत प्रतिभागी उपस्थित रहे।

अपार आईडी शून्य रहने पर विद्यालयों पर गिरेगी गाज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद विधानसभा क्षेत्र के सिरकोनी ब्लॉक के ब्लॉक संसाधन केंद्र के सभागार में जिला अधिकारी के निदेर्शानुसार खण्ड शिक्षा अधिकारी सिरकोनी अमरेश कुमार सिंह ने निजी विद्यालयों के प्रबंधकों को और प्रधानाचार्य की बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार जिन विद्यालयों की अपार आईडी शून्य रहेगी और यूं डायस डाटा भी समय से पूर्ण न किया गया होगा तो उनकी मान्यता रद्द करने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक में सख्त निर्देश दिया है की निजी विद्यालयों की बैठक कर सुनिश्चित करें की अपार आईडी और यू डायस डाटा का काम जल्द से जल्द पूर्ण कराया जाए इसी संबंध में यह बैठक रखी गई है। यदि विद्यालय वाले कार्य को लेकर गंभीर नहीं होते हैं तो उन्हें तीन नोटिस दी जाएगी यदि नोटिस के बाद भी विद्यालय द्वारा आईडी व डाटा के काम में शिथिलता बरती जाएगी तो उनकी मान्यता प्रत्याहरण करने की कार्यवाही की संस्तुति कर दी जाएगी।

भजन संध्या में झूम उठे भक्त

शिव मनोकामेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों ने किया श्रृंगार, हुई आरती

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर अंजही मोहल्ले में स्थित शिव मनोकामेश्वर महादेव मंदिर में सोमवार की देर शाम को भक्ति जागरण व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर में स्थित भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग का भक्तों ने भव्य क्षृंगार किया। भजन संध्या कार्यक्रम में देर रात तक भक्तिभाव में भक्त झूमते रहे। भगवान शिव मनोकामेश्वर महादेव मंदिर में स्थित शिवलिंग का भस्म से भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर के अनुयायियों में ब्लॉक प्रमुख सत्येंद्र सिंह, आलोक कुमार गुप्ता पिंटू, इजी.उमाशंकर गुप्ता, राम गोपाल केशरी, विनय सिंह व आशीष रानू ने संयुक्त रूप से भगवान शिव की 51 दीपों की आरती उतारकर आशीर्वाद लिया। भक्ति जागरण में भगवान महादेव के रूप में सजे कलाकार ने जैसे ही शिव तांडव पर भोले का रौद्र रूप दिखाया। उसे देखते ही भक्तों ने तालियों के गड़बड़हट से समूचा कस्बा गूंजमान हो उठा। महादेव अघोरी बंद पीकर शंकर जी की बूटी भजन पर प्रस्तुति दी। भक्ति में माहौल में माता पार्वती व भोलेनाथ की एक साथ प्रस्तुति दी। प्रसिद्ध पंडित अभिषेक शुक्ला महाराज ने विधि विधान के साथ भगवान शिवजी का क्षृंगार व आरती संपन्न कराई। साथ ही हजारों संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। नन्हे भजन कारीगर ने अपने सहयोगियों के साथ भंडारे की महाप्रसाद में निःशुल्क सेवा दी। इस अवसर पर राजन सिंह, शंकर लाल केसरी, राजकुमार जायसवाल काजू, आलोक गुप्ता, उमाशंकर गुप्ता, जगदंबा जायसवाल, रंजीत गुप्ता, सुरेश चंद सोनी, अभिषेक गुप्ता, बजरंगी, विपिन गुप्ता, दीपक, राजीव गुप्ता, राजकुमार ऊमरवैश्य व विजय कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

पहले अपने दुधमुंहे बच्चे को पिलाया जहर फिर खुद फांसी के फंदे से लटकी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के रामपुर थाना क्षेत्र के फोसील गांव दुमौली में एक विवाहिता ने आत्महत्या कर ली है। सूचना पाकर मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, उक्त क्षेत्र के जोगापुर निवासी राकेश पाल की 26 वर्षीय पत्नी काजल पाल ने बीती रात्रि बच्चे को जहर पिलाया और इसके बाद कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। काजल के घर वालों ने रामपुर थाने पर तहरीर देकर पति सहित ससुरालियों पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने मां बेटे का शव लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रेल मंत्री के आदेश के बावजूद जौनपुर जंक्शन नहीं हो रहा जालियां वाला बाग एक्सप्रेस का ठहराव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव के प्रयास से रेल मंत्री द्वारा गाड़ी संख्या 18103 /18104 जलियांवाला बाग/टाटा नगर एक्सप्रेस का ठहराव तो कर दिया गया। कागजों में परन्तु लखनऊ डीआरएम ऑफिस द्वारा इसे जौनपुर जंक्शन पर ठहराव का आदेश देना भूल गया। जिससे टाटा नगर एक्सप्रेस जौनपुर जंक्शन स्टेशन पर बिना रुके आंख दिखाते हुए निकल जा रही। मंत्री इस पर संज्ञान ले ताकि जल्द से जल्द यात्रियों को आने जाने की सुविधा मिल सके।

मड़ियाहूँ पुलिस ने 50 किलो गांजा व एक स्वीफ्ट डिजायर के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मडियाहूँ, गिरेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में थाना मड़ियाहूं पुलिस टीम द्वारा एक अभियुक्त को 50 किग्रा गांजा व एक स्वीफ्ट डिजायर वाहन संख्या यूपी74डी6825 के साथ दिनांक 04.03.2025 को गिरफ्तार किया गया, गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 80/25 धारा 8/20/25 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है ।गिरफ्तार आरोपी 1. प्रदीप सिंह पुत्र छागुर सिंह निवासी ग्राम हथेरा थाना नेवढ़िया जनपद जौनपुर।

संस्था के संस्थापक सदस्य की माता की पांचवी पुण्यतिथि पर अर्पित की गयी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

शाहगंज,जौनपुर (उत्तर शक्ति)। विवेकानंद तिराहा स्थित मदर निसा फाउंडेशन के कार्यालय पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें संस्था के संस्थापक सदस्य और तहलका पोर्टल के संवाददाता राजकुमार अश्क की माता जी की पाचवी पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। संस्था के संयोजक फैजान अहमद श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि मैं और राजकुमार बचपन के मित्र हैं माता जी आज हमारे बीच नहीं है मगर उनकी दी गई सीख हमें आज भी प्रेरणा देती रहती है वो हमेशा कहा करती थी बेटा अगर ऊपर वाला दे रहा है तो गरीबों की मदद जरूर करना, शायद उन्ही के आशीर्वाद से हम यह संस्था चला रहे हैं। संस्था वरिष्ठ संस्थापक सदस्य जेया अनवर ने माता को याद करते हुए कहा कि वो एक अत्यंत मिलनसार और मृदुभाषी स्वभाव की थी उनकी नजर में हम सब राजकुमार के जैसे ही थे। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप में से बेलाल आतिश, रिजवान अहमद, परवेज शेख, मिलन जायसवाल, सिंगर करन पार्थ, लालबहादुर यादव, ज़िया अनवर, राजकुमार अश्क, राजीव सिंह, एडवोकेट अकबाल अंसारी, सूफियान अंसारी, फैयाज अहमद, अबुल लैश अहमद, तबरेज खान आदि लोग उपस्थित रहे।

स्वच्छता को केवल अभियान ही नहीं, जिम्मेदारी भी समझें: आचार्य विक्रम देव

एनएसएस शिविर में स्वच्छता और जल संरक्षण पर किया गया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाकर समाज में स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश दिया। इस अभियान का आयोजन अमृत सरोवर पर किया गया, कार्यक्रम के तहत स्वयंसेवकों ने तालाब और उसके आसपास के क्षेत्र की सफाई की तथा प्लास्टिक और अन्य कचरे को हटाया। इसके साथ ही, जल संरक्षण के महत्व को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें 'स्वच्छ जल, निर्मल कल' और 'पानी बचाओ, जीवन बचाओ' जैसे नारों के माध्यम से संदेश दिया गया। इसके अलावा, पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने स्वच्छता और जल संरक्षण पर अपने विचारों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। आचार्य विक्रम देव ने कहा ने कहा, कि 'स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह एक जिम्मेदारी है। हमें जल स्रोतों की स्वच्छता को बनाए रखना और समाज में जागरूकता फैलाना बेहद जरूरी है। यह छोटे प्रयास बड़े बदलाव की नींव रखते हैं। स्वयंसेवकों ने स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत के संकल्प को दोहराते हुए अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इस पहल से स्थानीय निवासियों में भी स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ी और उन्होंने भविष्य में इस अभियान को समर्थन देने का वादा किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी, डॉ.शशिकांत यादव, डॉ.अनुराग मिश्र, डॉ. विशाल यादव, डॉ. अजय कुमार मौर्य, उद्देश्य सिंह, स्वयंसेवक प्रभात तिवारी, आनन्द सिंह प्रियांशी मौर्य, हर्ष दुबे सहित ठरर के स्वयंसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भारत शू सेंटर प्रतिष्ठान का चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल नें किया उद्घाटन

दुकान से कस्टमर मुनासिब कीमत पर कर सकेंगे खरीददारी: राजन खॉन

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत नगर के मोहल्ला नरहन में एक शानदार नवीन प्रतिष्ठान खुलने से लोगों को काफी सहुलियत मिला है। मंगलवार को केराकत नगर के मोहल्ला नरहन में भारत शू सेंटर के नाम से खुले एक नवीन प्रतिष्ठान का चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उनके साथ उनके पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू एवं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल केराकत संरक्षक अलाबक्श खॉन उर्फ राजन खॉन रहे। इस अवसर पर इन लोगों ने कहा कि हम लोग भारत शू सेंटर के द्वय प्रोप्राइटर फिरोज खॉन सभासद व उपाध्यक्ष नगर व्यापार मण्डल केराकत और सिकंदर सिद्दीकी दोनों लोगों को आशिर्वाद देते हैं कि आप लोग इसी तरह दिन प्रतिनिधि बुलंदियों की ऊंचाइयों को छूते रहें। आपको बताते चलें कि यह दुकान खुलने से लोगों को काफी सहुलियत मिलेगी। जरुरतमन्द ग्राहकों को मुनासिब दामों में जुतें और चप्पलों को लिया जा सकता है। भारत शू सेंटर के द्वय प्रोप्राइटर सभासद फिरोज खॉन व सिकंदर सिद्दीकी ने कहा कि मेरे दुकान पर सभी क्वालिटी के जूतों और चप्पलों को प्राप्त किया जा सकता है। और खासियत तो यह है कि मेरे दुकान पर मुनासिब दामों में यह चीज आप लोगों को दी जायेगी। इस मौके पर सभासदगण व नगर पंचायत केराकत लिपिक अजय कुमार निषाद, कम्प्यूटर आपरेटर अमित कुमार साहनी, मिरा सिंह, सन्तोष यादव, रिजवान खान, मिश्रा यादव, वकील अंसारी, विनोद यादव मास्टर सन्तोष यादव, रामू यादव, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पाँच वर्ष विकास के लिए होता है कम: प्रधान जग्गू मौर्या

मुस्लिम मतदाताओं ने लगाया भेदभाव का आरोप, कहा वोट नहीं मिला तो विकास नहीं होगा

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सोचिए ऐसे जनप्रतिनिधि के बारे जिसे मतदाताओं ने न तो देखा और न ही नाम तक नही जानते।और तो और ये प्रतिनिधि अपने क्षेत्र की जनता को दर्शन तक नही देते। कुछ ऐसा ही मामला देखने और सुनने को मिला। मंगलवार को नगर से सटे भादी ग्राम सभा मे जब जमीनी हकीकत जानने की कोशिश की गई तो भादी ग्राम सभा निवासी नरगिस ने कहा की मैं तो गॉव के प्रधान का नाम तक नही जानती और न ही कभी देखा है विकास की बात तो दूर की है।सड़क और नाली की गम्भीर समस्या है। वहीं मयसर अली उर्फ डब्बू ने बताया की हमारी गली में बरसात के दिनों में स्थिति बहुत नारकीय हो जाती है लोगों का आना जाना बहुत दूभर हो जाता है।स्कूल जाने वाले बच्चे कीचड़ में गिर कर चुटहिल और ड्रेस खराब हो जाते है। सड़क और नाली निर्माण के लिए जब प्रधान मनोज कुमार उर्फ जग्गू मौर्या से कहा गया तो उन्होंने कहा की आप लोग मिट्टी पटवा दीजिये हम सड़क पर इंटरलॉकिंग करवा देंगे मगर सालों बीत गए न तो सड़क बना और न ही नाली।अब स्थिति ये है की लोगों के घरों का पानी दूसरे जमीनों में जाता है। मतदाता असगर अली ने नाली और सड़क की समस्या को बताते हुए कहा की यहां न तो बिजली के खम्बे है न ही सड़क और नाली। बारिश की दिनों में हालत बहुत खराब हो जाती है। आगे असगर अली कहते है की जब प्रधान से कहा जाता है तो वह कहते हैं हमे वहां से वोट मिलता है।और सिर्फ आश्वासन देकर टरका देते हैं। टीम जब अन्य लोगों से बात की तो पता चला की एक रहीम नामक व्यक्ति पानी कनेक्शन का हर महीने 50 रुपया महीने वसूल करता है।जब इस सम्बंध में रहीम से बात की गई तो उन्होंने कहा की मैं न तो किसी सरकारी पद हू, न ही संविदा पर। जब उनसे पूछा गया तो फिर 50 रुपये क्यों लेते हैं। तो उनका जवाब था जल विभाग जौनपुर के जेई आकाश गुप्ता ने कहा था की आप पानी कनेक्शन वालों से 50 रुपया रसीद देकर ले लीजिए।आगे पूछने पर रहीम ने बताया की जो रसीद लोगों को दिया जाता है वह पूर्व प्रधान ने दिया था और वहीं रसीद से वसूली होती है। एक सवाल पर रहीम ने कहा की हमको जेई ने आपरेटर बनाया है और कोई वेतन भी नही देते वही 50 रुपया मिलता है लोगों से उसी से गुजारा चलता है।जबकि रसीद पर उत्तर प्रदेश जल निगम-पेय जल योजना का कोई मुहर भी नही है। सबसे बड़ी बात यह है उत्तर प्रदेश जल निगम-पेय जल योजना के लाभार्थी ग्राम प्रधान मनोज कुमार उर्फ जग्गू मौर्या भी।कुल मिलाकर ग्राम सभा भादी में कुछ ठीक ठाक नही चल रहा है अगर निष्पक्षता से जांच हो तो सारी सच्चाई सामने आए।

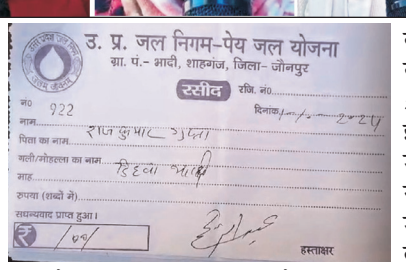
उ. प्र. जल निगम-पेय जल योजना
ग्रा. पं.- भादी, शाहगंज, जिला- जौनपुर
रसीद
रजि. नं0
नं0 922
दिनांक
नाम राजकुमार
पिता का नाम
गली/मोहल्ला का नाम
माह
रुपया (शब्दों में)
सधन्यवाद प्राप्त हुआ।
₹ 50/-
हस्ताक्षर

जब ग्राम सभा भादी के प्रधान मनोज कुमार उर्फ जग्गू मौर्या से बात की गई तो उन्होंने कहा की ग्राम सभा विधवा और वृद्धा पेंशन लगभग साठ लोगो को दिलवाया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब ग्रामीण आवास योजना का लाभ कितने लोगों को मिला है तो कहते है 100 लोगों मगर अल्पसंख्यक मतदाता को कितना आवास मिला तो इसका जवाब टाल मटोल कर देते है। नाली और सड़क के सवाल पर प्रधान ने कहा की ग्रामसभा में जितना बजट आता है उसके हिसाब से कार्य योजना बनती है। आगे कहा की डेढ़ वर्ष का कार्यकाल बचा है उसमें सभी वर्गों का छूटे हुए कार्य पूरे किए जाएंगे। आवास के सर्वे का काम चल रहा है।

युवक ने नौकरी न मिलने के कारण किया आत्महत्या

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक ने अपने कमरे में पंखे में चादर के सहारे फंदे से लटक कर जान दे दी।कमालपुर सराय रुस्तम मोहल्ले में सोमवार की दोपहर का है मामला। पुलिस ने परिजनों की सहायता से दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है। सुसाइड नोट में मृतक ने अपने माता-माता व भाई से माफी मांगी है। आत्महत्या के लिए उसने खुद को दोषी बताया। मेरी नौकरी के लिए मेरे पिता बहुत परेशान थे लेकिन मुझे नौकरी नहीं मिल सकी। पुलिस के मुताबिक थाना क्षेत्र के मुहल्ला सरायरूस्तम कमालपुर निवासी अंकित सिंह (30) सोमवार को दोपहर करीब दो बजे खाना-पीना करने के बाद अपने कमरे में चला गया। एक मित्र ने कई बार फोन किया।लेकिन अंकित का फोन नहीं उठा तो शाम को घर आकर उसे पुकारने लगा। दरवाजा खटखटाने के बाद भी अंदर से कोई आवाज नहीं आई। लोगों ने खिड़की खोलकर देखा तो उसका शव चादर के सहारे लटक रहा था। इसके बाद मित्र ने मृतक के परिजनों व पुलिस को तत्काल घटना की जानकारी दी। पुलिस ने परिजनों व स्थानीय लोगों की मदद से दरवाजा तोड़कर शव को पंखे से नीचे उतारा। परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मृतक के पिता नरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि वह रोज की तरह सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र में स्थित कुकर की कंपनी में काम करने गए थे। वहीं मृतक की मां पड़ोसी के यहां मांगलिक कार्यक्रम में तथा बड़ा भाई अर्पित सिंह घर के बाहर थे। तीन सप्ताह पूर्व नरेंद्र बहादुर सिंह के पिता निधन हो गया था। एक सप्ताह ही तेरहवीं को बीता ही था कि छोटे बेटे को खो जाने से पिता पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मां का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी विनोद मिश्रा ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। शव के पास से सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें मृतक ने घटना के लिए खुद को दोषी बताया है। शव को पोस्टमाट्र्स के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने पर मौत की वजह का पता चल सकेगा।

सुशीला देवी मेमोरियल हॉस्पिटल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन 20 मार्च को

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर का प्रतिष्ठित असपताल सुशीला देवी मेमोरियल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर में आने वाले 20 मार्च को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा।जिसमे स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मौलश्री चित्रवंशी, सर्जन डाक्टर प्रेमचन्द्र चित्रवंशी सहित अन्य रोगों के स्पेशलिस्ट डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क जाँच एवं परामर्श दिया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी अस्पताल की डायरेक्टर डाक्टर मौलश्री चित्रवंशी ने दिया।

इजरायल, जापान और जर्मनी में नौकरी पाने का सुनहरा मौका

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उ0प्र0, सरकार ने युवाओं को विदेश में नौकरी पाने का सुनहरा अवसर दिया है, जिसके क्रम में एन0एस0डी0सी0 और केन्द्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से इजरायल, जापान और जर्मनी में जनपद के प्रशिक्षित युवक-युवतियों के लिए कई पदों पर भर्ती की जायेंगी। जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in के माध्यम से प्रदेश के प्रशिक्षित युवक-युवतियों के लिए विदेशों में होमबेस्ड केयरगिवर, पेशेंट केयर, और नर्सिंग के पदों पर भर्तियों होगी। जिसमें इजरायल में होमबेस्ड केयरगिवर के 5000 पद के लिए 25 से 45 वर्ष की आयुसीमा एवं एक वर्ष से अधिक का अनुभव होना अनिवार्य है, जापान में केयरगिवर और केयर टेकर के 50 पदों हेतु तीन महीनों से अधिक का अनुभव रखने वाले युवक-युवतियों की आयु सीमा 20 से 27 वर्ष आवेदन कर सकेगें तथा जर्मनी में सहायक नर्स के 250 पदों हेतु आयुसीमा 24 से 20 वर्ष के एक वर्ष से अधिक का अनुभव प्राप्त युवक-युवती पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण उपरांत आवेदन कर सकते है। जिस हेतु वेतनमान 116976 से 229925 रुपए प्रतिमाह होगा। विदेशों में रोजगार हेतु रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर 31 मार्च 2025 तक आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु जिला सेवायोजन कार्यालय निकट नारायण नर्सिंग होम जौनपुर से संपर्क किया जा सकता है।

जौनपुर के सुशील मौर्य को बनाया गया प्रदेश सचिव

दि उत्तर प्रदेश टैक्स बार एसोसिएशन ने की घोषणा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। टैक्सेशन बार एसोसिएशन के सदस्य एडवोकेट सुशील मौर्य को दि उत्तर प्रदेश टैक्स बार एसोसिएशन में प्रदेश सचिव बनाया गया जिसकी जानकारी होने पर परिजनों सहित उनके शुभचिन्तकों में खुशी की लहर दौड़ गयी। बता दें कि महराजगंज जनपद में आयोजित एसोसिएशन की कार्यकारिणी बैठक में एसोसिएशन के प्रान्तीय अध्यक्ष रमेश प्रसाद जायसवाल ने 2024-2026 की कार्यकारिणी घोषित किया। घोषणा के अनुसार प्रदेश सचिव जैसा महत्वपूर्ण पद जौनपुर के सुशील मौर्य को दिया गया। विदित हो कि इसके पहले श्री मौर्य एसोसिएशन के संयुक्त सचिव जैसे पद पर रहकर कार्य कर चुके हैं। इस बार इन्हें सचिव जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उनके द्वारा पूर्व के कार्यों को देखते हुये दी गयी। वहीं इस बाबत पूछे जाने पर नवचयनित प्रदेश सचिव श्री मौर्य ने बताया कि पूरे प्रान्त में जो भी समस्याएं टैक्स एडवोकेट को आयेंगी, उसको प्राथमिकता से प्रादेशिक टीम के साथ मिलकर हल कराया जायेगा।

प्रतिमा वर्मा बनीं मछलीशहर की नई पुलिस क्षेत्राधिकारी, एसपी ने तीन सीओ के कार्यक्षेत्र में किया बदलाव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने तीन क्षेत्राधिकारी के कार्यक्षेत्र में बदलाव कर दिया है। बीती रात में पुलिस अधीक्षक डॉ.कौस्तुभ ने सीओ बदलापुर प्रतिमा वर्मा को मछलीशहर का सीओ, सदर देवेश कुमार सिंह को बदलापुर सीओ एवं मछलीशहर के सीओ परमानंद कुशवाहा को सीओ सदर का चार्ज दिया गया है। एसपी सिटी अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद की कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने के लिए रूटीन ट्रांसफर किया गया है।

राजेश यादव की हत्या के बाद परिवार में पसरा मातम, गांव में माहौल गमगीन

जफराबाद,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। परियावा गांव में सोमवार की रात को हुई हत्या से परिवार में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। महिलाओं के करुंक्रन्दन से माहौल गमगीन बन गया है। वहा पहुंचने वालों के आंखों में आँसू आ जा रहे है। पूरे गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। मृतक राजेश के परिवार के लोग रोकर बेहाल है। राजेश की पत्नी मालती देवी की हालत विक्षिप्त जैसी हो गयी है। बड़ा पुत्र विकास यादव प्रयागराज में एक कम्पनी में कार्य करता है। वह भी आ गया है। छोटा पुत्र रोहित यादव पिता के मौत से आहत है। वह तैयारी कर रहा है। अन्य सदस्य भी काफी दुखी है।अगल बगल मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। गांव के लोग घटना को लेकर तरह तरह की चर्चा कर रहे है। घटना को लेकर गांव में आरोपियों के विरुध्द आक्रोश है। हालांकि की पुलिस की सतर्कता व सक्रियता से माहौल शांत है। परिजनों की तहरीर पर राहुल यादव सहित तीन लोगों के विरुध्द मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपियों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। कुछ लोगो को पूछताछ के लिये लाया गया है।

होली और रमजान को लेकर थाने में हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मुंगराबादशाहपुर में होली और रमजान महीने को लेकर मंगलवार को क्षेत्र के गणमान्यों से प्रभारी निरीक्षक विनोद मिश्रा ने थाना परिसर में शांति समिति की बैठक की गई। इसमें त्योहारों को सौहार्दपूर्व वातावरण में मनाने की अपील की गई। बैठक में मौजूद गणमान्यों से प्रभारी निरीक्षक ने उनके नगर व गांवों की समस्या और होलिका स्थान को लेकर कहीं कोई विवाद तो नहीं इस पर चर्चा की। इस अधिकांश लोगों ने अपने-आप ने नगर व गांवों में कोई दखल नहीं होने की बात बताई। विद्यालय प्रबंधक आलोक कुमार गुप्ता ने नगर के मोहल्ला दर्जियान, नईगंज, अंजही व सरायरुस्तम कमलपुर में होलिका स्थल को लेकर विवाद की संभावनाएं जाहिर की। अंजुमन सदर तहसीलमुलहक बन्ने ने बताया कि मस्जिदों के समीप होली के दिन लाउडस्पीकर धीमा बजाएं जाए जिससे नमाजदारों को दिक्कत ना हो। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने हल्का प्रभारी को नोट कर विवादित स्थलों की जांच करने का निर्देश दिया। और कहा कि होली का त्योहार शुक्रवार जुम्मा के दिन पड़ रहा है। जिससे मिश्रित आबादी वाले मोहल्लों में शांति सद्भाव ना बिगड़े इसमें पुलिस के साथ नगर व ग्रामीणों की भी जिम्मेदारी है। साथ ही यदि गांवों व नगर में त्योहार के आसपास किसी ने कोई गलत अफवाह फैलाया तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर इंजीनियर उमाशंकर गुप्ता, रंजीत गुप्ता, सभासद दीपू मोदनवाल, गणेश सभासद, बैजनाथ साहू, सुरेश चंद सोनी, विवेक यादव,मो.फहद,मो.शाहरूरन,मो. फैजान अंसारी, उमाशंकर चौरसिया, शरीफ अहमद, शिवलाल सोनी, अजीत सिंह, हीरालाल व मनीष आदि लोग मौजूद रहे।

15 जुलाई तक दिन में बंद होने पर वाराणसी शिफ्ट होंगी लखनऊ एयरपोर्ट की उड़ानें

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे की मरम्मत और समानांतर टैक्सी वे के निर्माण के चलते उड़ानें प्रभावित हो रही हैं। ऐसे में अब लखनऊ एयरपोर्ट की कुछ उड़ानें वाराणसी एयरपोर्ट से संचालित करने की तैयारी चल रही है। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बंगलूरू की उड़ानें अब वाराणसी के बाबतपुर एयरपोर्ट पर शिफ्ट की जा सकती हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी के अफसरों के मुताबिक कि दिन की कुछ उड़ानें शिफ्ट की जा सकती हैं। यहां तक विमानें आजमगढ़ एयरपोर्ट से भी संचालित हो सकते हैं। लखनऊ एयरपोर्ट पर एक मार्च से 15 जुलाई तक सुबह 10 से शाम 6 बजे तक एयरपोर्ट बंद रहेगा और कुछ विमानों को रद्द कर दिया गया है। होली से पहले हो सकता है अधिकतर उड़ानों को वाराणसी व लखनऊ के आसपास के जिलों के एयरपोर्ट से संचालित किया जा सकता है।

पक्षी पालने पर हो सकती है सात साल की सजा,लेना होगा लाइसेंस; 12 लोगों ने आवेदन भी किया

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। लोग अक्सर घरों में गौरैया, लाल मुनिया, तोता-मैना आदि पालना बेहद पसंद करते हैं। घर में पाले जाने वाले तोते को अकसर मिट्ठू कहकर बुलाया जाता है, लेकिन यह मासूम दिखने वाला मिट्ठू आपको जेल भी पहुंचा सकता है। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत पक्षियों को पालना गैरकानूनी है। ऐसा करने पर 7 साल तक की जेल और जुमार्ना हो सकता है। इसके लिए आपको सरकार से लाइसेंस लेना पड़ता है। वाराणसी में पहली बार 12 लोगों ने पक्षी पालने के लिए लाइसेंस आवेदन किया है। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि लाइसेंस फीस एक हजार रुपये है। जो आवेदन आए है उसे उच्च अधिकारियों को भेजा गया है। इसके बाद उनके घर पर जाकर वन विभाग की टीम जांच करेंगी। जांच में सही पाने के बाद ही इन्हें लाइसेंस जारी किया जाएगा। जो भी पक्षी हम घर के आसपास देखते हैं, उन सभी पक्षियों को घर में पालना प्रतिबंधित है। कुछ ऐसे पक्षी हैं, जिन्हें विदेशी पक्षी कहा जाता है। अगर कोई भी घर में कोई पक्षी पालना चाहता है तो सबसे पहले उस पक्षी को वन विभाग से दिखा लें। परिवेश टू पोर्टल पर करना होगा पंजीकरण वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि पक्षियों के लाइसेंस के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.parivesh.nic.in पर आवेदन करना होगा। किस प्रजाति के कितने पक्षी पालने हैं, यह घोषणा करनी होगी। इसके लिए ऐसे लोगों को छह माह का समय दिया है। वेबसाइट पर ब्योरा दर्ज करने के बाद सरकार द्वारा इसकी जांच संबंधित जिले के वन विभाग के अफसरों द्वारा कराई जाएई। वन विभाग के अधिकारी इसकी जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजेंगे। इसके बाद इसका आकलन करते हुए संबंधित व्यक्तियों को पक्षियों को रखने का सरकार लाइसेंस जारी करेगी। वन विभाग ने की अपील वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी पक्षी को घर में कैद न करें। अगर कोई संरक्षित पक्षियों या जानवरों को पाल रहा है, तो इसकी शिकायत वन विभाग को करें। जांच के बाद संबंधित व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रतिबंधित पक्षी पालने पर सजा वन्य जीव अधिनियम 1972 के अंतर्गत शेड्यूल एक से शेड्यूल पांच तक की श्रेणियां हैं। जिस शेड्यूल के अंतर्गत जो पक्षी आता है उस हिसाब से सजा का प्रावधान है। भारत में मिलने वाली तोते की सभी प्रजातियां प्रतिबंधित हैं। जो भी पक्षी नेचुरल एनवायरमेंट में रह रहा है उसको कब्जे में लेना क्रूरता के अंतर्गत आता है। बोले अधिकारी पक्षियों को बिना लाइसेंस के पालना प्रतिबंधित है। इसके लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य है। एक हजार रुपये फीस में लाइसेंस जारी किया जाता है। लाइसेंस के लिए अप्लाई किया है। जांच के बाद उन्हें जारी किया जाएगा।

थाने में दीवान ने गौरक्षक को पटककर पीटा, एसपी ने किया लाइन हाजिर

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना परिसर में एक दीवान द्वारा गौरक्षक की पिटाई का मामला सामने आया है। आरोप है कि थाने के अंदर दीवान ने पट्टे से गौरक्षक की जमकर पिटाई की, पिटाई से गौरक्षक की पीठ पर लाल चकत्ते पड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही गौरक्षक संगठन के अन्य पदाधिकारी थाने पर पहुँच गए और विरोध प्रर्दशन शुरू किया। मामले की सूचना उच्चाधिकारियों तक पहुँचने पर तत्काल दीवान को लाइनहाजिर कर दिया गया। लेकिन संगठन के लोग इससे संतुष्ट नहीं हैं और दीवान के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की माँग कर रहे हैं। बताया गया कि मंगलवार की भोर में बाक्शा थाना क्षेत्र के खुराहूपुर निवासी संदीप यादव को सूचना मिली थी कि बक्शा क्षेत्र से कुछ लोग एक पिकअप वाहन में गायों को लादकर पशु तस्करी के लिए ले जा रहे हैं। सूचना के बाद संदीप अपने साथियों के साथ उनका घेराबंदी की और जलालपुर थाना क्षेत्र के हौज टोल प्लाजा के पास वाहन को रोककर पुलिस को सौंप दिया। इसके बाद वे पुलिस के साथ थाने पहुँचे, आरोप है कि थाने पर मौजूद दीवान नील रतन यादव ने गौ तस्करों से शुरू से मिली भगत कर संदीप को पट्टे से जमकर पीटा। पिकअप वाहन में दो गायें लदी थी। संदीप यादव के मुताबिक वह विश्व हिंदू परिषद गौरक्षा विभाग जौनपुर के जिला सह युवा प्रमुख है। इस मामले पर थाना प्रभारी निरीक्षक विनीत राय ने बताया कि एक व्यक्ति जबरन दफ्तर में घुसने का प्रयास कर रहा था, जिसे दीवान जी पहचान नहीं पाएं और इसी कारण विवाद हुआ। हालाँकि, उच्चाधिकारियों के निर्देश पर दीवान को लाइनहाजिर कर दिया गया है।

मोदी के क्षेत्र में मच्छरों का आतंक, फाइलों में दिन-रात हो रही फागिंग

सुरेश गांधी

वाराणसी। बदलते मौसम से प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में इन दिनों मच्छरों का आतंक है। शाम होते ही मच्छरों का आतंक इस कदर है कि उन पर बाजार में बिक रहे रिफिल व क्वायल का कोई असर नहीं हैं। परिणाम यह है कि लोगों की रातें मच्छरों को हकाने में ही बीत रहा है। इससे सबसे ज्यादा पीड़ित नन्हें-मुन्ने बच्चे हैं। हाल यह है कि मच्छरों के दंश से बच्चे तरह-तरह के संक्रमित बीमारियों से ग्रसित तो हैं ही माताओं की रतजगा से वे बगैर टिफिन के ही स्कूल जाने को विवश है। मच्छरों के पनपने की मुख्य वजह नाले नालियां में जमा गंदा पानी और जगह जगह फैली गंदगी है। लेकिन निगम के अफसरों की फाइलों में कर्मचारी दिन-रात फागिंग व दवा छिड़काव कर मच्छरों पर नियंत्रण के प्रयास में जुटे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, मच्छरों के बढ़ने का कारण तापमान में उतार-चढ़ाव है, क्योंकि गर्मी अधिक नहीं होने के कारण मच्छर तेजी से पनप रहे हैं। शहर तापमान और आर्द्रता में वृद्धि के साथ मौसम परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जिससे मच्छरों का घनत्व बढ़ रहा है। हाल ही में कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को उठाया था। इसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि मच्छरों के प्रकोप को कम करने के लिए दवाइयों का छिड़काव भी नहीं हो रहा। बता दें, शहरी क्षेत्र में बदलते मौसम में मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ने लगा है। शाम होते ही मच्छरों लोगों का जीना दूभर कर देते हैं। इससे बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्र में मच्छरों की बढ़ती संख्या और डंक ने लोगों की नाक में दम कर दिया है। सोते- जागते, उठते-बैठते हर वक्त मच्छरों की भिनभिनाहट और डंक से लोग परेशान हैं। बावजूद इसके स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य जिम्मेदार विभाग लापरवाह बने हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्र में फागिंग कब हुई किसी को याद नहीं है। इस मौसम में मच्छरों का प्रकोप रहता है। ये मच्छर डेंगू या मलेरिया नहीं फैलाते हैं, बल्कि नालों में रुके हुए पानी में में पनपते हैं। जल निकासी लाइनों में दुर्गम पानी भी इनके पनपते का कारण है। वहीं एडीज और एनोफेलीज डेंगू और मलेरिया फैलाते हैं, लेकिन अभी इनका प्रकोप अधिक नहीं है। गर्मी में इस प्रकार के मच्छरों का घनत्व बढ़ जाता है, क्योंकि लोग बिना ढंके कंटेनरों में पानी जमा करते हैं। शहरवासियों का कहना है कि हम न केवल अपने घर के पास, बल्कि कार्यालय या शहर में कहीं भी जा रहे हैं तो मच्छर मंडराते रहते हैं। अपने घरों की खिड़कियां और दरवाजे भी खुल रखना बंद कर दिए हैं, लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर या सार्वजनिक परिवहन में हम क्या कर सकते हैं।

शहर की गंदगी, नाले का गंदा पानी, जाम नाला की समस्या है। सफाई कर्मियों के नियमित न आने की वजह से गंदगी पसरी रहती है। नालियां गंदे पानी से उफनती नजर आती है और वह पानी सड़क पर बहता रहता है। इससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ा है। मच्छरों को मारने के लिए कीटनाशक दवाओं के छिड़काव को लेकर स्वास्थ्य विभाग व नगर प्रशासन ने आंखें बंद कर रखी है। मच्छर की बढ़ती संख्या का आलम है कि रात नहीं, दिन में भी इसका प्रकोप जारी रहता है। वहीं संध्या होते ही लोगों का किसी स्थान पर बैठना मुश्किल हो जाता है। घर हो या दुकान, हर जगह मच्छरों का आतंक बढ़ गया है। सुबह हो या शाम मच्छरों का हमला शुरू हो जाता है। इसके चलते संक्रमण का खतरा, बीमारी के भय से लोग दिन में भी मच्छरदानी तथा मच्छर भगाने वाले क्वायल का प्रयोग करते हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण समाप्त होने के बाद शहर में एक बार फिर स्वच्छता को लेकर सुस्ती का आलम नजर आने लगा है। शहर की सड़कों पर गंदगी भले ही नजर न आए लेकिन गलियों और कालोनियों के भीतर की सड़कों की सफाई मोदी के स्वच्छता अभियान को मुंह चिढ़ा रही है। जिम्मेदार अफसरों का कहना है कि शहर में तापमान के उतार-चढ़ाव के कारण मच्छर बढ़ रहे हैं। हमारी टीम लगातार इनके प्रकोप को कम करने के लिए काम कर रही है। लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि घर और घरों के आसपास कहीं भी पानी एकत्र न होने दें। शहर के अलग-अलग इलाकों में फागिंग मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। खुली नालियों व जल जमाव वाले इलाकों में लार्वा साइकल व केमिकल का छिड़काव भी करवाया जा रहा है। हाल यह है कि मच्छरों को भगाने के लिए जलाए जाने वाले क्वायल व मच्छर अगरबत्ती सहित अन्य उपाय भी कारगर साबित नहीं हो पा रहे हैं। लोग ज्यादा देर क्वायल इसलिए भी नहीं जला पा रहे हैं कि इसका धुआं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ग्रामीण क्षेत्र में तो शाम ढलते ही मच्छरों का प्रकोप इस कदर बढ़ जाता है कि लोगों का चैन से बैठना भी मुहाल हो गया है। लोगों को मच्छरों के काटने से होने वाले संक्रमण का भी डर सताने लगा है।

पीएम मोदी ने गुजरात में वनतारा वन्यजीव बचाव, पुनर्वास एवं संरक्षण केंद्र का किया उद्घाटन

शिव कुमार प्रजापति

गुजरात (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में गुजरात में वनतारा वन्यजीव बचाव, पुनर्वास और संरक्षण केंद्र का उद्घाटन किया और उसका दौरा किया। वनतारा में 2,000 से अधिक प्रजातियां और 1.5 लाख से अधिक बचाए गए, लुप्तप्राय और संकटग्रस्त जानवर रहते हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने एशियाई शेर शावकों, सफेद शेर शावक, क्लाउडेड तेंदुए शावक और कैराकल शावक सहित विभिन्न प्रजातियों के साथ खेला। उन्होंने शावकों को खाना भी खिलाया। क्लाउडेड तेंदुए शावक एक दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजाति है। पीएम मोदी ने यहां दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने वनतारा में वन्यजीव अस्पताल का भी दौरा किया और पशु चिकित्सा सुविधाओं को देखा, जो एमआरआई, सीटी स्कैन, आईसीयू और अन्य सुविधाओं से सुसज्जित हैं और वन्यजीव एनेस्थीसिया, कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, एंडोस्कोपी, दंत चिकित्सा, आंतरिक चिकित्सा आदि सहित कई विभाग भी हैं। अपनी यात्रा के दौरान, पीएम मोदी को एशियाई शेर शावक, एक सफेद शेर शावक, एक क्लाउडेड तेंदुए शावक और कैराकल शावक सहित कई जानवरों के साथ बातचीत करते देखा गया। उनके आधिकारिक यूट्यूब हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो में इन जानवरों को खाना खिलाते और उनके साथ खेलते हुए दिल छू लेने वाले पल कैद हुए हैं। यात्रा के सबसे उल्लेखनीय क्षणों में से एक था पीएम मोदी की एक गोल्डन टाइगर और चार स्नो टाइगर्स से मुलाकात की, जिन्हें एक सर्कस से बचाया गया था, जहां उन्हें करतब दिखाने के लिए मजबूर किया जाता था। जिस सफेद शेर के शावक को पीएम मोदी ने बोतल से दूध पिलाया, उसका जन्म केंद्र में तब हुआ था जब उसकी मां को बचाया गया था और देखभाल के लिए वनतारा लाया गया था। तीन हजार एकड़ में फैला वनतारा रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी के परिसर में स्थित है। यह वन्यजीवों के कल्याण के लिए समर्पित बचाव केंद्र है तथा दुर्व्यवहार और शोषण से बचाए गए पशुओं को अभयारण्य, पुनर्वास व चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है।

प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. द्वारा ओडिशा प्रदेश कार्यकारिणी का गठन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। ओडिशा प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए ओडिशा प्रदेश अध्यक्ष कैलाश राणा प्रजापति के नेतृत्व में आम सहमति से सभी को नियुक्ति पत्र राष्ट्रीय प्रभारी गोविन्द प्रजापति ने जारी किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.पी. प्रजापति, राष्ट्रीय मुख्य महासचिव गजेन्द्र प्रजापति, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा एडवोकेट निहारिका प्रजापति, राजस्थान प्रदेश अध्यक्षा कृष्णा प्रजापति, मध्य प्रदेश महिला युवा अध्यक्षा डॉक्टर अर्चना प्रजापति तथा संस्था के कार्यकारिणी पदाधिकारियों के निर्देश पर प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. NGO राष्ट्रीय सामाजिक संस्था M/H 386. मुंबई महाराष्ट्र ओडिशा प्रदेश कार्यकारिणी विस्तार अग्र लिखित प्रकार से किया गया। जिसमें ओडिशा प्रदेश अध्यक्ष कैलाश राणा प्रजापति, प्रदेश उपाध्यक्ष निरंजन मुदुली प्रजापति, प्रदेश महासचिव क्षीरोद राणा प्रजापति, प्रदेश सचिव थबीर राणा प्रजापति, प्रदेश कोषाध्यक्ष परश राम राणा प्रजापति, ओडिशा प्रदेश युवा अध्यक्ष जयंत कुमार बेहेरा, ओडिशा प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा-मीनती बेहरा आदि नवनियुक्त ओडिशा प्रदेश पदाधिकारियों को बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं। आशा करते हैं कि आप सब ओडिशा प्रदेश में प्रजापति विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था में मिलक-जुल कर समाज के लोगों को जोड़ने का काम करेंगे और प्रदेश जिला तहसील में संगठन संस्था को गति प्रदान करेंगे तथा समाज को जागरूक करने का काम करेंगे।

शॉप्सी ग्राहकों का पसंदीदा ग्रैंड शॉप्सी मेला वापस लेकर आया है 'शॉपिंग मेला सबसे बड़ा, प्राइसेस सबसे छोटे'

बेंगलुरु। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते हाइपर-वैल्यू ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों में से एक, शॉप्सी बाय फ्लिपकार्ट, वर्ष के सबसे प्रतीक्षित कार्यक्रम, ग्रैंड शॉप्सी मेला को लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। 1 से 9 मार्च तक आयोजित होने वाले इस वर्ष के मेले में भारत के प्रिय पारंपरिक मेलों के आनंद और उत्साह को डिजिटल दुनिया में लाने का वादा किया गया है, जिससे देश भर के परिवारों के लिए एक अविस्मरणीय खरीदारी का अनुभव तैयार होगा। 'शॉपिंग मेला सबसे बड़ा, प्राइसेस सबसे छोटे' थीम के साथ, ग्रैंड शॉप्सी मेला वैल्यू शॉपिंग के शॉप्सी की बिजनेस हेड, प्रत्यूषा अग्रवाल ने कहा, ₹भारत में हमारे खरीदारों के लिए, बिक्री एक इवेंट है, लेकिन मेला एक वाइब है, एक ऐसा अनुभव जो उत्साह, खोज और परिवार के साथ साझा किए गए पलों से भरा है। ग्रैंड शॉप्सी मेला भारत के जेने और मिलेनियल शॉपर्स के लिए पसंदीदा जगह बन गया है, जो अपनी डिजिटल समझदारी और मूल्य-सचेत विकल्पों के साथ ऑनलाइन शॉपिंग को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। चूंकि हमारे 90% नए उपभोक्ता मिलेनियल्स और जेन` हैं, और हमारे लगभग 70% मौजूदा ग्राहक टियर-2 और टियर-3 क्षेत्रों से हैं, इसलिए हम एक रोमांचक, उच्च-ऊर्जा खरीदारी अनुभव विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो क्षेत्रीय प्रासंगिकता और गुणवत्ता के साथ सामर्थ्य को जोड़ता है। जीएसएम का यह संस्करण 500/- रुपये से कम कीमत पर विस्तारित उत्पाद रेंज, गेमिफाइड शॉपिंग सुविधाओं और भारत के विविध खरीदारों के अनुरूप वास्तविक समय के डील्स के साथ इसे एक कदम आगे ले जाता है। ग्राहकों की गहन अंतर्दृष्टि और नवाचार को मिलाकर, हम गुणवत्तापूर्ण खरीदारी को अधिक समावेशी, रोमांचक और सुलभ बना रहे हैं, तथा भारत में प्रत्येक डिजिटल खरीदार को सच्चा मेला अनुभव प्रदान कर रहे हैं। शॉप्सी ऐप और वेबसाइट पर बेजोड़ ऑफर और रोमांचक, आनंददायक खरीदारी अनुभव के लिए बने रहें।

मोबाइल रिचार्ज न होने पर वृद्धा ने किया आत्मदाह

मैनपुरी (उत्तरशक्ति)। मैनपुरी के करहल थाना क्षेत्र के गांव लदपुरा में वृद्ध महिला ने खुद पर डीजल उड़ेलकर सोमवार रात को आग लगा ली। महिला की मौत हो गई है। आत्महत्या को लेकर चर्चा है कि परिजन द्वारा मोबाइल रिचार्ज न कराने से नाराज वृद्धा ने अपनी जान दी है। इधर, मंगलवार को मृतका के मायके और ससुराल पक्ष के लोगों ने पुलिस के सामने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप भी किया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजन को सौंपते हुए अपनी जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव लदपुरा के रहने वाले शिवराज यादव की 65 वर्षीय पत्नी राजनश्री का तीन दिन पहले मोबाइल का रिचार्ज खत्म हो गया था। रिचार्ज कराने के लिए वह पति और इकलौते बेटे से कई बार कह चुकी थीं। मगर, किसी ने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया। इसी बात से वृद्धा परिजन से नाराज चल रही थीं। सोमवार की रात को जब सभी परिजन सो गए तो राजनश्री घर में रखी हुई पांच लीटर डीजल की कैन को लेकर बाहर चली गईं। वहां खुद पर डीजल उड़ेलने के बाद आग लगा ली। इस बीच पास ही रहने वाले एक रिश्तेदार ने राजनश्री को जलते हुए देखकर शोर मचाया।

शोर शराबा सुनकर परिजन आ गए। आग की लपटें उठ रही थीं। पास ही बनी झोंपड़ी भी जल गई थी। परिजन ने ग्रामीणों की मदद से आग बुझाई। सूचना पर इंस्पेक्टर ललित भाटी भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वृद्धा के अधजले शव को बाहर निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मोबाइल का रिचार्ज न होने की वजह से वृद्धा पति, बेटे से नाराज चल रही थी। वह बात नहीं कर रही थी और खाना भी नहीं खा रही थीं। पति शिवराज ने बताया कि सोमवार की रात को बेटे और बहू ने उन्हें खाना खाने के लिए काफी मनाया। मगर, वह जिद्दी स्वभाव की थीं। उन्होंने किसी की नहीं मानी और खाना भी नहीं खाया। इसके कुछ देर बाद सभी लोग अपने-अपने कमरों में सोने के लिए चले गए थे।

राजनश्री के पति ने बताया कि उनके एक पुत्र व तीन पुत्रियां हैं। तीन बेटियों की वह शादी कर चुके हैं। पत्नी मोबाइल से विवाहिता बेटियों से बातचीत करती थीं। रोजाना उनका हाल चाल लेती थीं। तीन दिन से मोबाइल रिचार्ज न होने की वजह से बात नहीं हो पा रही थी। गांव में ही एक घर में बेटी का फोन आया। वहां पर राजनश्री शाम के समय बैठती थीं। बेटी से बात हुई तो बेटी से कहा था कि वह अब सुबह ही बात करेंगी। मगर, रात में राजनश्री ने खुदकुशी कर ली।

थाना करहल के इंस्पेक्टर ललित भाटी ने बताया कि करहल इंस्पेक्टर ललित कुमार भाटी ने बताया कि घटना के बाद पुलिस के समक्ष मृतका के मायके पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया कि राजनश्री की जलाकर हत्या की गई है। वहीं, ससुराल वालों ने मायके वालों पर

सैमको म्यूचुअल फंड लार्ज कैप एनएफओ लॉन्च

पटना। सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने सैमको लार्ज कैप फंड के लिए न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च किया है, जो एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो लार्ज-कैप शेयरों में निवेश पर केंद्रित है। एनएफओ 5 मार्च, 2025 से 19 मार्च, 2025 तक खुलेगा। फंड का लक्ष्य सैमको के प्रोपराइटी सीएआरई का लाभ उठाते हुए शीर्ष 100 लार्ज-कैप कंपनियों के विविध पोर्टफोलियो का निर्माण करके लंबे समय में निवेश पर रिटर्न प्रदान करना है। उच्च गुणवत्ता, विकास-संचालित अवसरों की पहचान करने के लिए मोमेंटम स्ट्रेटेजी का उपयोग होगा। लार्ज-कैप सेगमेंट एक पसंदीदा निवेश माध्यम बना हुआ है, जो बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच स्थिरता और लगातार रिटर्न प्रदान करता है। भारत की अर्थव्यवस्था विकास पथ पर है, लार्ज-कैप फंडों ने लचीलेपन का प्रदर्शन किया है, जो मजबूत बुनियादी सिद्धांतों के साथ स्थापित व्यवसायों द्वारा समर्थित है। निवेशक जोखिम और रिवॉर्ड को संतुलित करना चाहते हैं। सैमको लार्ज कैप फंड को प्रोपराइटरी सीएआरई का लाभ उठाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो बाजार प्रदर्शन संकेतकों के आधार पर गतिशील रूप से शेयरों का चयन करता है। यह फंड लार्ज-कैप इक्विटी में न्यूनतम 80 प्रतिशत एक्सपोजर के साथ उच्चतम एसेट अलोकेशन सुनिश्चित करता है, जिससे निवेशकों को अच्छी तरह से स्थापित और मौलिक रूप से मजबूत व्यवसायों तक पहुंच मिलती है। लॉन्च पर सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ विराज गांधी ने कहा, मौजूदा बाजार माहौल में भारत में लार्ज-कैप शेयरों की कीमत मिड और स्मॉल कैप की तुलना में आकर्षक हो गई है, जो एक आकर्षक निवेश अवसर पेश करता है।

रमजान का पाक महीना सबसे अव्वल माह : मौलाना कैसर अब्बास

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मंगलवार को माहे रमजान की तीसरी तारीख को नगर की सभी प्रमुख मस्जिदों में पाँच वक्त की नमाज अदा करने के बाद लोगों ने रात्रि में तरावीह पढ़ा और मुल्क में अमन, चैन और शांति के लिए दुआएं मांगी। इससे पूर्व मगरीब की अजान के बाद रोजेदारों ने अपना रोजा खोला। शहर के मुफ्ती मोहल्ला, बलुआघाट, सिपाह, मुल्ला टोला, पुरानी बाजार, पानदरीबा सहित अन्य स्थानों पर मस्जिदों में नमाजियों की खासी भीड़ दिखाई पड़ी। नगर के बलुआघाट स्थित मिर्जा दारोगा एजाज की मस्जिद में नमाज पढ़ाने के बाद मौलाना कैसर अब्बास आजमी ने कहा कि पैगम्बरे इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा स.अ. ने बताया है कि माहे रमजान को तमाम महीनों में सबसे अव्वल दर्जा प्राप्त है। इस महीने में खुदा शैतान को कैद में कर देता है और जन्नत का दरवाजा तमाम रोजेदारों के लिए खोल देता है। यही वजह है कि घरों में दिन रात कुरान की तेलावते होती हैं तो वहीं विशेष नमाज अदा कर लोग अपने गुनाहों की तौबा करते हैं। मौलाना ने कहा कि रोजेदारों को रोजा खुलवाना सबसे बड़ा शवाब का काम है। ऐसे में हमें चाहिए कि अपने रिश्तेदार, पड़ोसियों, मोहल्ले व नगरवासियों में अगर कोई गरीब मौजूद है तो उसके परिवार को रोजा खोलने का सारा सामान मुहैया कराना चाहिए वहीं मस्जिदों में देर रात्रि तक तरावीह पढ़ने का सिलसिला जारी रहा।

आईपीएस राजेश कुमार सिंह होंगे वाराणसी के नए जॉइंट पुलिस कमिश्नर

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के पुलिस कमिश्नरेट में जॉइंट सीपी डॉ. के. एजिलरसन का ट्रांसफर कर दिया गया है। शासन के आदेश पर उनका लखनऊ यूपी-112 का पुलिस महानिरीक्षक के पद पर तबादला किया गया है। डॉ. के. एजिलरसन के जगह पर 2011 बैच के आईपीएस राजेश कुमार सिंह को कार्यभार सौंपा गया है। इससे पूर्व वह कानपुर कमिश्नरेट में एडीसीपी के पद पर तैनात थे। इसके अलावा 2010 बैच के आईपीएस मनोज कुमार सोनकर को वाराणसी में पीएसी का पुलिस उपमहानिरीक्षक बनाया गया है। इसके पूर्व वह लखनऊ अळर में उपमहानिरीक्षक के पद पर कार्यरत थे।

संगठन शक्ति ही स्वराज्य की असली शक्ति है छावा फिल्म

वसई रोड। वसई रोड पापड़ी स्थित दत्तानी मॉल में राष्ट्रव्यापी संगठन पर्व के तहत वसई विधानसभा के पंजीकृत पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के 50 से अधिक सदस्यों के लिए प्रेरणादायक ऐतिहासिक फिल्म छावा की एक विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। जिसमे अद्वितीय वीरता, त्याग और साहस की मिसाल स्वराज्य के लिए अपनी आखिरी सांस तक लड़ने वाले स्वराज रक्षक छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म छावा। आज पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और लोगों ने परिवार के साथ देखा। जिसमे वसई विधायक स्नेहा दुबे, वसई विरार भाजपा जिल्हा अध्यक्ष महेंद्र पाटील, वरिष्ठ भाजपा नेता शेखर धुरी, पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित होकार छावा फिल्म देखा । इस फिल्म के माध्यम से छत्रपति संभाजी राज के गौरवशाली इतिहास, राष्ट्रीय निष्ठा और अपराजेय नेतृत्व को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। उनका बलिदान और नेतृत्व हमें स्वराज्य के विचार को मजबूत करने के लिए प्रेरित करता है। यह विशेष स्क्रीनिंग सिर्फ एक फिल्म देखने का अनुभव नहीं है, बल्कि एक प्रेरणादायक क्षण है जो किसी को भी राष्ट्रीय सेवा का व्रत लेने, संगठनात्मक ताकत को मजबूत करने और सामाजिक कल्याण की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। छत्रपति संभाजी महाराज के विचार हमें संगठनात्मक शक्ति, कर्तव्य और निस्वार्थ राष्ट्रीय सेवा के प्रति जागरूक करते रहें।

अब गुजरात में भी यूसीसी की तैयारी, शादी और तलाक के लिए रजिस्ट्रेशन जरूरी

गांधीनगर। गुजरात के लिए समान नागरिकता संहिता (यूसीसी) का मसौदा तैयार करने के उद्देश्य से गठित समिति की पहली बैठक गांधीनगर में मंगलवार को हुई। इसमें कहा गया कि मसौदा तैयार करने से पहले लोगों से सुझाव एवं आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी।

इसमें यह प्राथमिकता होगी कि महिलाओं और बच्चों को समान अधिकार प्राप्त हों। जनता से परामर्श जरूरी है। इसलिए, एक टीम राज्य के हर जिले में जाकर लोगों से मिलेगी। समिति की अध्यक्ष न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई का कहना है कि इस कानून में किसी भी धर्म के विवाह एवं परंपराओं से छेड़छाड़ नहीं होगी, लेकिन विवाह और तलाक का पंजीकरण जरूरी होगा।

गांधीनगर कर्मयोगी भवन में आयोजित बैठक के बाद न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई ने कहा कि 45 दिन में समान नागरिकता संहिता का मसौदा तैयार करना मुश्किल है। हम सरकार से और 45 दिन देने की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि मसौदा यहां बैठकर भी तैयार किया जा सकता है, लेकिन यह ठीक नहीं होगा। जनता से परामर्श कर एक अच्छा मसौदा तैयार करने के लिए अधिक समय की जरूरत है। समिति की प्राथमिकता महिलाओं एवं बच्चों को समान अधिकार दिलाने एवं उनकी बेहतर देखभाल की व्यवस्था कराने की होगी। उनका कहना है कि किसी भी धर्म व समाज की विवाह परंपरा में परिवर्तन नहीं होगा। विवाह और तलाक सरकार के यहां पंजीकृत कराया जाए - इसकी व्यवस्था की जाएगी। खासकर आदिवासी समाज की परंपराओं और प्रथाओं में किसी तरह का बदलाव इस कानून में नहीं किया जाएगा। न्यायाधीश रंजना देसाई ने कहा कि हम नये विचारों को आमंत्रित करते हैं तथा उन पर विचार करने को तैयार हैं। यह कानून संविधान के सिद्धांतों एवं सुप्रीम कोर्ट के विविध आदेशों के अनुसार होगा तथा लिव-इन-रिलेशन और विरासत संबंधी कानूनों के लिए इसमें व्यवस्था होगी। समान नागरिक संहिता के लिए मसौदा तैयार करने से पहले जनता से परामर्श जरूरी है। इसके लिए एक वेबसाइट बनाई जाएगी। 24 मार्च के बाद से इसमें नागरिक अपने सुझाव एवं आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। यूसीसी की एक टीम राज्य के हर जिले में जाकर वहां के लोगों से चर्चा करेगी। यह टीम आदिवासी, अल्पसंख्यक समेत विविध समाज के नेताओं, धार्मिक गुरुओं ओर गैरसरकारी संगठनों के कार्यकताओं से भी मिलेगी ताकि इस संबंध में उनके विचार प्राप्त किये जा सकें।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर जंग!

पेशावर। अफगानिस्तान और पाकिस्तान सुरक्षा बलों के बीच झड़प होने के बाद दोनों ओर रहने वाले निवासी भाग कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण सीमा चौकी तोरखम में लगातार दूसरे दिन गोलीबारी हुई है। दोनों देशों के बीच विवाद के कारण 21 फरवरी से सीमा चौकी बंद है। अपना नाम जाहिर नहीं होने देने की शर्त पर पाकिस्तान के एक अधिकारी ने कहा कि सोमवार पूरी रात गोलीबारी हुई। इससे सीमा क्षेत्र में रहने वाले लोग भयभीत हो गए। दोनों तरफ के बल एक दूसरे पर हल्के और भारी हथियारों से फायरिंग कर रहे थे इसलिए क्षेत्र के निवासी सुरक्षित स्थानों की ओर भाग निकले। मंगलवार सवेरे गोलीबारी बंद हो गई। स्थिति अभी तक तनावपूर्ण बनी हुई है और अत्यंत सतर्कता बरती जा रही है। संघर्ष में पाकिस्तान के तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। किसी नागरिक के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। काबुल में गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने मंगलवार को कहा कि अधिकारी वार्ता के माध्यम से मुद्दे का समाधान करने का अपना प्रयास जारी रखेंगे। दोनों देश इससे पहले गोलीबारी और क्रास फायरिंग के कारण तोरखम और दक्षिण पश्चिमी चमन सीमा चौकी बंद कर चुके हैं। ये दोनों चौकियां पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच व्यापार एवं यात्रा के लिए महत्वपूर्ण हैं।

मार्च में ही बनें लू जैसे हालात, थम जाएगा गेहूं का बढ़वार

* विशेषज्ञों के अनुसार, समय से पहले फसल पकने के कारण गेहूं का दाना पतला रह जाएगा
* खेतों में अभी गेहूं की फसल हरी, दाना परिपक्व नहीं
* तापमान बढ़ने पर समय से पहले पकने की आशंका
* अप्रैल मई जून में बढ़ेगी तपन

-सुरेश गांधी

वाराणसी। होली से पहले मौसम की चाल बदलने लगी है। तेज धूप खिलने के साथ ही तापमान में वृद्धि हो रही है। सर्दियों की विदाई हो चुकी है, जिस कारण कोहरा भी देखने को नहीं मिल रहा है। तापमान इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि मार्च में ही अप्रैल-मई वाली गर्मी का एहसास होने लगा है। मौसम विज्ञानियों की मानें तो मार्च के अंत तक लू चलने की पूरी संभावना है। मौसम के इस परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर गेहूं के फसल पर पडने वाला है।

आशंका है कि अगर मार्च में ही इतनी गर्मी बढ़ी तो गेहूं की फसल को बड़ा नुकसान हो सकता है। इससे न सिर्फ गेहूं का उत्पादन 15 से 20 प्रतिशत तक कम हो जाएगा, बल्कि बढ़ती धूप जल्दी पकने के चलते दाना भी पतला हो जायेगा। किसानों का कहना है कि जनवरी में ठीक ठाक ठंड पड़ने के कारण इस बार गेहूं की अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन हरी फसल के दौरान धूप के तीखे तेवर देखकर अरमानों पर पानी फिरता दिख रहा है। इस बार गर्मी आपको सताने के लिए अप्रैल मई का इतंजार नहीं करेगी. यह सिलसिला मार्च से ही शुरू हो गया है. किसानों का कहना है कि यह समय दाना के परिपक्व होने का है। तापमान बढ़ने के कारण फसल जल्दी पकने लगेगी। इससे गेहूं का दाना पतला रह जाएगा। इससे गेहूं के उत्पादन में भी 15 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट होने की संभावना है। इसकी बड़ी वजह इस सर्दी में रिकॉर्ड तौर पर कम बारिश का होने से तापमान में लगातार वृद्धि हुई। पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता में कमी के कारण प्रदेश में सामान्य से 80 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई। इसके परिणामस्वरूप फरवरी का अंत असामान्य रूप से गर्म रहा और अब मार्च में ही लू चलने की आशंका है।

वाराणसी सहित पूरे पूर्वांचल में औसत अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3.5 डिग्री अधिक था। इस बीच मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक प्रदेश में तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। मौसम विभाग की मानें तो मौसम साफ बना हुआ है। तेज धूप खिली रहेगी और दोपहर में लोगों को तेज चिलचिलाती गर्मी का एहसास होगा। पूर्वी और पश्चिमी यूपी में मौसम शुष्क बना रहेगा। लेकिन शाम होते ही हवाएं चलनी शुरूआत हो जाएगी, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत महसूस होगी। 5 मार्च से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। 5 और 6 मार्च को 20 से 30 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। इस दौरान भी मौसम शुष्क ही बना रहेगा। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चले जाने के आसार हैं।

मौसम वैज्ञानिकों का दावा

आगामी गर्मियों में तापमान सामान्य से अधिक रहेगा और लू (हीट वेव) के दिनों की संख्या भी बढ़ेगी। वर्तमान में प्रशांत महासागर में कमजोर ला-नीना परिस्थितियां बनी हुई हैं, जो आने वाले समय में तटस्थ नीनो में बदल सकती हैं। इसके अलावा, हिंद महासागर में तटस्थ द्विध्रुवीय परिस्थितियों का भी असर रहेगा। इस मौसमीय बदलाव के चलते, मार्च से मई के बीच प्रदेश में तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। मार्च में ही प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है, जिससे लू के दिनों में 2-4 दिनों की वृद्धि होने की संभावना है। वर्तमान में प्रशांत महासागर में प्रचलित कमजोर लानिना परिस्थितयों के आगामी सीजन में अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा।

बरतें सावधानी

मौसम विभाग ने लोगों को हीट वेव से बचने के लिए सावधानी बरतने और धूप में निकलते समय आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी है।

रखें सेहत का ख्याल

गर्मी के मौसम में अक्सर पानी की कमी होने से डिहाइड्रेशन की समस्या होने लगती है। इसकी वजह से व्यक्ति कई बीमारियों की चपेट में आ जाता है। ऐसे में अगर आप भीषण गर्मी से खुद को बचाना चाहते हैं, तो जरूरी है कि खुद को पूरी तरह से हाइड्रेट रखें। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पानी और मौसमी फलों और सब्जियों का सेवन करें। इसके अलावा नींबू पानी, लस्सी जैसी ड्रिंक्स भी पिएं। जरूरत पड़ने पर ओआरएस भी लें।

धूप में जाने से बचें

गर्मी के मौसम में होने वाली बीमारियों से अपने बचाव के लिए जरूरी है कि उच्च प्रोटीन युक्त भोजन को खाने से बचें। साथ ही दोपहर 12 बजे से लेकर 3 बजे तक की धूप में न निकलें। इसके अलावा पतले, ढीले और हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें।

चाय, कॉफी से करें परहेज

हीटवेव से बचने के लिए शराब, चाय, कॉफी और काबोर्नेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स या ज्यादा शक्कर वाले पेय पदार्थों से परहेज करें। इसके अलावा उच्च प्रोटीन वाले भोजन और बासा खाने से भी बचें।

मसालेदार भोजन से करें परहेज

हीटवेव से बचने के लिए मसालेदार भोजन से भी दूरी बनाए रखें। साथ ही कोशिश करें कि इस मौसम में ज्यादा से ज्यादा प्लांट बेस्ड डायट का सेवन करें और ताजे फल और सब्जियों के जूस को भी अपनी डाइट में शामिल करें। साथ ही दिन के समय सूरज की दिशा वाली खिड़कियों दरवाजों को भी बंद रखें और रात में इन्हें खोल दें ताकि ताजी हवा आ सके।

मांसाहार भोजन से बनाएं दूरी

गर्मी के मौसम में सुरक्षित रहने के लिए नॉन वेजिटेरियन भोजन का सेवन कम करें। दरअसल, इस तरह के भोजन को पचने में काफी समय लगता है, जिसकी वजह से शरीर में डिहाइड्रेशन हो सकता है। खाना देर से पचने की वजह से शरीर की गर्मी बढ़ती है, जिससे डिहाइड्रेशन होता है।

मार्च सबसे गर्म महीना हो सकता है

इस बार ठंड का ज्यादा एहसास नहीं हुआ. इस साल जनवरी का तापमान सामान्य से ज्यादा गर्म था और फरवरी में तो बिल्कुल सर्दी महसूस ही नहीं हुई. दशकों के क्लाइमेक्स डेटा से यह स्पष्ट होता है कि तापमान लगातार बढ़ रहा है. फरवरी 2025 पिछले 125 सालों में भारत का सबसे गर्म महीना रहा. एक नई रिसर्च के अनुसार, तापमाम के 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने पर छह प्रतिशत भूमि इतनी गर्म हो जाएगी कि वह रहने योग्य नहीं रहेगी, और बुजुर्गों के लिए तो यह और भी बड़ा खतरा बनेगा. विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ते तापमान कई समस्याओं का कारण बन रहे हैं, जिनमें शहरी हीट स्ट्रेस, ऊर्जा की कमी, जल संकट और जैव विविधता का नुकसान शामिल है.

एलर्जी, सर्दी, जुकाम, बुखार के साथ स्कीन इंफेक्शन के मरीजों की आई बाढ़

वाराणसी। बदलते मौसम के साथ बीमारियों और संक्रमण का बढ़ना नई बात नहीं है। खासकर जब अचानक मौसम में बदलाव से नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव हो। खास यह है कि इस वक्त प्रदूषण का स्तर भी बढ़ा हुआ है। इन सभी कारणों से एलर्जी, सर्दी, जुकाम, बुखार और गले में खराश जैसी समस्याएं हो रही हैं। इसके अलावा कभी ठंड कभी गर्म के चलते सर्दी, खांसी, बुखार के साथ स्कीन इंफेक्शन के मरीजों की संख्या हाल के दिनों में अस्पतालों के ओपीडी में तेजी से बढ़ी है। शीत-गर्म के कारण चकत्ते पड़ना, तेज धूप में जाने से त्वचा में जलन या लाल होना, खुजली, सुजन जैसी समस्याएं लोगों को हो रही है। संक्रमितों में छोटे बच्चे, बुजुर्ग और युवा भी शामिल हैं।

चिकित्सकों का कहना है कि इसमें कई तरह के एलर्जी के संपर्क में आने का जोखिम बढ़ जाता है. इससे वायरस और बीमारियों का सामान्य से ज्यादा तेजी से फैलना आसान हो जाता है. इस दौरान बच्चे अक्सर खांसी, बुखार, फ्लू और संक्रमण जैसी मौसमी बीमारियों से जूझते हुए पाते हैं. हाल के दिनों में ओपीडी में स्कीन इंफेक्शन के मरीजों की संख्या दुगुनी हो गयी है। वायरस और वैक्टीरियां से त्वचा का संक्रमण हो रहा है। यह संक्रमण विशेषकर उन लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है जिनकी इम्युनिटी पावर कमजोर है। या बाहरी व प्रदूषित वातावरण के संपर्क में आते है।

चिकित्सकों का कहना है कि इस दौरान मौसमी फ्लू के मामले भी बढ़ने शुरू हो जाते हैं, जिससे मरीजों की संख्या बढ़ने लगती है। जगह-जगह पानी जमने से बैक्टीरिया व वायरस पनपने लगते हैं, जिससे इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। बुखार हमें यह संकेत देता है कि शरीर में कुछ परेशानी है। बदलते मौसम के कारण बच्चे कई तरह की बीमारियों और वायरल इंफेक्शन के शिकार हो जाते हैं. वायरल इंफेक्शन के कारण लोग मूडी होने लगते हैं. इससे उन्हें बेचैनी हो सकती है और वे निराश, चिड़चिड़े और मूडी हो सकते हैं.

बच्चों को इन मौसमी बदलावों से बचाने के लिए उनके रोजमर्रा के पोषण लक्ष्यों को पूरा करने पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है. इससे उनकी इम्युनिटी मजबूत करने में मदद मिल सकती है जो इन स्वास्थ्य समस्याओं से ढाल के रूप में काम कर सकती है. माता-पिता को अपने रोजमर्रा की डाइट में ऐसे फूड आइटम को शामिल करने की कोशिश करनी चाहिए जिनमें विशेष रूप से इम्युनिटी बढ़ाने और पोषक तत्व होते हैं. इससे उन्हें अपने बच्चों को अचानक मौसम परिवर्तन के लिए तैयार करने में मदद मिल सकती है और वे स्वस्थ और फिट रह सकते हैं. चिकित्सकों का कहना है कि जब मौसम में लगातार परिवर्तन होता है, तो ऐसे में वायरल इन्फेक्शन का डर ज्यादा बढ़ जाता है. इनफेक्शंस से बचने के लिए आपकी डाइट बैलेंस होना सबसे ज्यादा जरूरी है. इसके लिए आपको सारे फूड ग्रुप्स लेना आवश्यक हो जाता है. इसमें मौसमी फल का सेवन सबसे लाभदायक माना जाता है. इसके साथ इस मौसम में हरी सब्जियां का सेवन भी लाभदायक माना जाता है. मेथी, पालक और बथुआ जैसी हरी भाजी स्वास्थ्य ठीक रखने में सबसे अच्छी मानी जाती है. बैलेंस डाइट का होना बहुत जरूरी माना जाता है. यदि आप सुबह के समय नष्ट कर रहे हैं तो दिन में लंच या रात को डिनर स्किप नहीं करना है. दिन के समय खाने के साथ दही का इस्तेमाल कर सकते हैं. वहीं रात को सब्जियों के सूप या हरी सब्जियों का सेवन जरूर किया जाना चाहिए.

इम्युनिटी बढ़ाएं

पत्तेदार सब्जियां : विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर पालक, केल और स्विस चार्ड जैसी पत्तेदार हरी सब्जियां प्रतिरक्षा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आवश्यक हैं. एक अध्ययन के मुताबिक, हरी पत्तेदार सब्जियां डाइटरी नाइट्रेट से भरपूर होती हैं, जो एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों वाला एक कार्बनिक कम्पाउंड है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करता है.

खट्टे फल : मौसमी फल खाने से आप मौसम परिवर्तन के दौरान स्वस्थ और रोग मुक्त रह सकते हैं. संतरे, नींबू और अंगूर हमारे टेस्ट बड में तीखी मिठास जोड़ते हैं और विटामिन सी से भरपूर होने के कारण इम्युनिटी को बढ़ाते हैं और संक्रमण से बचाते हैं.

जामुन : ताजा जामुन - ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और रास्पबेरी - न केवल रसदार और स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि एंटीऑक्सिडेंट से भी भरे होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से निपटने और इम्युनिटी को बूस्ट करने में मदद करते हैं.

अदरक : मसाले संक्रमण को रोकने और सूजन से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. अदरक की तीखी गर्माहट को अपनाएं, जो अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुणों के लिए बेशकीमती है, जो मौसमी बीमारियों के खिलाफ मजबूत होने के लिए आपको तैयार करते हैं.

लहसुनः लहसुन की तीखी शक्ति का इस्तेमाल करें, जो अपने एंटी-माइक्रोबियल गुण के लिए प्रसिद्ध है. यह बीमारी से लड़ते हैं और अच्छे स्वास्थ्य के लिए शरीर की सहायता करते हैं.

सावधानियांः इनसे बचने के लिए सतर्क होने की आवश्यकता है ताकि हमारी सेहत और रोजमर्रा का जीवन प्रभावित न हो। अभी अचानक से गर्म कपड़ों का प्रयोग बंद न करें, क्योंकि तापमान में उतार-चढ़ाव के चलते शरीर तालमेल नहीं बिठा पाता।

मास्क लगाएंः बुखार भी कई कारणों से हो सकता है, जैसे- संक्रमण, थकावट, वैक्सीनेशन (टीका) आदि। लोगों को होने वाला फीवर सिर्फ ?इस बात को बताता है कि आपके शरीर में कोई परेशानी है, लेकिन इस बात की पुष्टि नहीं करता है कि आखिर शरीर में मुख्य परेशानी है क्या? इसलिए घर में अगर किसी को वायरल है, तो मास्क का उपयोग करें।

लक्षण

बुखार संक्रमण की वजह से होता है, तो उसे वायरल बुखार कहते हैं। इसमें शरीर में दर्द, भूख न लगना, जी मिचलाना, सिरदर्द होना, गाढ़ा पेशाब होना, उल्टी आना, कब्ज होना, शरीर गर्म रहना, डिहाइड्रेशन, मांसपेशियों में दर्द, ठंड लगने की समस्या होने लगती है। वायरल बुखार के बाद कमजोरी होना कोई बड़ी बात नहीं है।

सावधानी

इन दिनों उतार-चढ़ाव जारी है. कभी दिन के समय तेज धूप रहती है, तो रात को मौसम अचानक बदलने के बाद सर्द हवाओं का दौर शुरू हो जाता है. ऐसे में अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है.

सुबह के समय नाश्ता करके निकले

स्वास्थ्य का ख्याल रखने के लिए घर से निकलने से पहले सुबह के समय नश्ता करना आवश्यक होता है. यह हमारे शरीर की सभी दैनिक जरूरतों को पूरा करने का काम करता है. साथी सुबह के समय दूध से बने सामग्री का सेवन जरूर करना चाहिए. इससे हमारे शरीर में होने वाली प्रोटीन की कमी पूरी हो जाती है.

सीधे जूस के सेवन से बचेः डाइटिशियन का कहना है कि हमें बाजार में मिलने वाले जूस के सेवन से बचना चाहिए. इसकी जगह सीधे फल का सेवन शरीर के लिए लाभदायक होता है. क्योंकि इसमें प्रोटीन से लेकर फाइबर तक सारे पोषक तत्व मिल जाते हैं. सीजनल फल का सबसे ज्यादा सेवन कर सकते हैं, जिसमें अंगूर, पपीता, संतरा और अमरुद जैसे फल शामिल है.

इजरायल की संसद में भारी बवाल

नई दिल्ली। इजरायल की संसद में हंगामे का मामला सामने आया है। दरअसल, 7 अक्टूबर के आतंकी हमले के पीड़ित बहस सुनने जा रहे थे। तभी संसद की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाबलों ने पीड़ित परिवारों को गैलरी तक जाने से रोक दिया। सुरक्षाबलों ने बल का इस्तेमाल किया। संसद में यह हंगामा तब हुआ जब अंदर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपना भाषण देने में जुटे थे। टाइम्स ऑफ इजरायल की खबर के मुताबिक अक्टूबर परिषद के 40 सदस्य गैलरी की तरफ बढ़ने लगे। सीढ़ी पर चढ़ते वक्त उनके साथ सुरक्षाबलों ने धक्का-मुक्की और हाथापाई की।

नालासोपारा प्लेटफॉर्म एक की ऊंचाई बढ़ाया जायः राजन नाईक

नालासोपारा। पश्चिम रेलवे जो आम मजदूर वर्ग के लिए जीवन रेखा है। नालासोपारा निर्वाचन क्षेत्र से हजारों लोग प्रतिदिन काम के लिए मुंबई आते-जाते हैं। आज नालासोपारा विधायक राजन नाइक विधान भवन के बजट सत्र की समाप्ति से लौटते समय उनकी नजर नालासोपारा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म और प्लेटफार्म के बीच गैप पर पड़ी। इस अति व्यस्त स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 को लेकर नागरिक लगातार शिकायत कर रहे थे. नालासोपारा प्लेटफार्म नंबर 1 की ऊंचाई कम है और रेलवे ट्रैक और प्लेटफार्म के बीच की दूरी बहुत अधिक है। इस संबंध में सतीश भोंडवे को उक्त शिकायत के बारे में पता चला। उन्होंने नालासोपारा विधायक को इसकी जानकारी दी। राजन नाईक ने इस मामले को रेलवे प्रशासन के संज्ञान में लाया कि यह मामला चिंताजनक है। उक्त निरीक्षण के दौरान पाया गया कि रेलवे स्टेशन और रेलवे प्लेटफार्म के बीच 18 इंच का अंतर है और इसके कारण होने वाली दुर्घटनाओं के पैमाने को देखते हुए समस्या के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए संबंधित अधिकारियों को उचित निर्देश दिए गए। साथ ही उन्होंने उपस्थित यात्रियों से चर्चा करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि उक्त शिकायत के संबंध में जल्द ही समाधान निकालने का आश्वासन देते हुए नागरिकों की सुरक्षा को लेकर कोई नुकसान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नागरिकों से भी अनुरोध है कि वे यहां से यात्रा करते समय सावधानी बरतें। इस अवसर पर यात्रा कर रहे नागरिकों ने आभार व्यक्त करते हुए अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि "आज नालासोपारा में एक ऐसा विधायक है जो जनता के बारे में सोचता है." आपका यह विश्वास मुझे जनसेवा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करता रहेगा। इस अवसर पर मेरे साथ पार्टी युवा मोर्चा के अध्यक्ष विनीत तिवारी, संध्या दुबे सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।